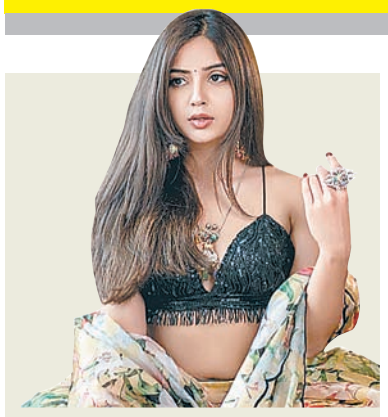
उज्जैन
सोमवार
28
सितम्बर, 2026 | वर्ष-12 | अंक-325
मूल्य- 2 रु.
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 अंडरग्राउंड मेट्रो के विरोध में सड़क पर उतरे रहवासी

7 बारिश में धुल सकता है आज का भारत-अफगानिस्तान मुकाबला



गोविंदा विवाद में कश्मीरा ने रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल को घेरा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और उनकी कथित गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के बीच विवाद गहराता जा रहा है। कोमल की ओर से सुनीता पर अपने ही पति को मारने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाने के बाद अब गोविंदा की भांजी कश्मीरा शाह मामी सुनीता के समर्थन में उतर आई हैं। कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए कोमल पर निशाना साधते हुए कहा कि काम की जगह किसी को-स्टार को इतनी निजी बातें पता नहीं होती हैं। उन्होंने सुनीता को एक मजबूत महिला बताते हुए हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने की बात कही है। कश्मीरा शाह ने लिखा कि अपने 30 साल के करियर और 50 फिल्मों के अनुभव में किसी को-स्टार को उनकी निजी जिंदगी या भावनाओं की जानकारी नहीं रही। उन्होंने सिर्फ अपने पति कृष्णा से ही अपनी बातें शेयर की हैं। कश्मीरा ने सवाल उठाया कि काम करने की जगह ऐसा कोई रिश्ता उन्होंने कभी नहीं देखा, जहां किसी को-स्टार को इतनी पर्सनल बातें पता हों। कोमल रानी के आरोपों का जवाब देते हुए कश्मीरा ने लिखा कि अपने परिवार का ध्यान रखने वाली महिलाओं को अक्सर घमंडी, हावी होने वाली या मतलबी कह दिया जाता है।

देश

- **बैंकों की** 3 दिन की हड़ताल टली, मांगों पर हाई लेवल कमेटी बनेगी, स्ट्राइक के कारण संडे को बैंक खुले थे
- **लवली प्रोफेशनल** यूनिवर्सिटी में भड़की हिंसा, पुलिस की गाड़ियां जलाईं धमाकों से दहला कैंपस
- **उत्तराखंड** में बर्फबारी से 136 पर्वतारोही फंसे, यूपी के गोंडा-बदायूं में पुल डूबे, बिहार के 2 जिलों में बाढ़, 82 हजार लोग प्रभावित
- **सीजेआई** को पूर्व नेवी चीफ-अफसरों समेत 2000 लोगों की चिट्ठी, कहा- एसआईआर की वैधता और प्रक्रिया के रिव्यू होने तक इस पर रोक लगाई जाए
- **कॉकरोच पार्टी** को मुंबई में प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जुटना था, दीपके बोले- अब 2 अक्टूबर को जेल भरो आंदोलन होगा

विदेश

- **यूक्रेन** ने जंग में विस्फोटकों से लैस रोबोट सैनिक उतारे, रूस के 3000 सैनिकों को मारने का दावा, 5 गांव और 3 बस्तियां वापस लीं
- **यमन** के बाजार पर हवाई हमले में 7 की मौत, 40 घायल, पिछले 2 महीने में यमन में 700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके
- **इजराइल** ने हमास आतंकी को मार गिराया, 7 अक्टूबर के हमले में इजराइली महिला को किडनैप कर जबरदस्ती गाजा ले गया था

व्यापार

- **टाटा एरिस** ने मचाई एंट्री, 5.29 लाख की शुरूआती कीमत में प्रीमियम फीचर्स और सीएनजी का विकल्प
- **यूपीआई ट्रांजेक्शन** पर चार्ज मामले में एससी में आज सुनवाई, 0.4% एमडीआर लगाने के खिलाफ याचिका, 15 अक्टूबर से लागू होने हैं नए नियम

कार्टून..



शहर में मूलभूत सुविधा गौण, बड़े विकास पर ध्यान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उत्सव व पर्वों के शहर में नित नए नए आयोजन व चल समारोह आयोजित होते रहते हैं। बाबा की कृपा पाने की अभिलाषा लेकर नित्य प्रतिदिन श्रद्धालु भी यहां आते रहते हैं। धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बनानेवाले शहर को गौर से देखें तो चमक दमक सभी कुछ तो आई है, विकास का चक्र तीव्र गति से चल रहा है किन्तु मूलभूत सुविधाओं से वंचित ये शहर अभी भी बाबा महाकाल की ओर टकटकी लगाए हुए ही नजर आता है। शिप्रा को पुण्यसलीला माना तो जाता है और आस्था के साथ लोग इसमे डुबकी भी लगाते हैं पर न तो शिप्रा प्रवाहमान नजर आती है और न ही इसकी सफाई की कोई दूरगामी योजना मूर्तरूप लेते नजर आ रही है।





सुविधाघर है नहीं शौच खुले में

नदी तट पर शौचालय का भी सर्वथा अभाव है। रामघाट पर श्रद्धालु महिलाओं की सबसे ज्यादा भीड़ होती है पर यहां और पास के घाट पर शौचालय हैं ही नहीं। ऐसी स्थिति में महिलाएं खुले मे शौच करने पर बाध्य होती हैं। हरसिद्धि के पीछे अच्युतानंद



व्यायामशाल की ओर से जो सीढ़ियां नीचे नदी पर जाती हैं उन सीढ़ियों पर लोग पेशाब करते रहते हैं जिससे पूरे क्षेत्र मे दुर्गंध व्याप्त है। एकमात्र जो शौचालय था उसको भी कई दिनों से बंद कर रखा है। उसके बाहर ही लोग शौच करते रहते हैं जिससे गंदगी बनी हुई है।

एकमात्र जो चेंजिग रूम दिखा- उसका दरवाजा ही निकला पड़ा है जिसकी रिपेयरिंग अभी तक नहीं हुई और नए चेंजिग रूम भी नहीं दिख रहे। ऐसे मे श्रद्धालु व पर्यटक एक शिकायती भाव लेकर तीर्थनगरी से वापस लौट रहे हैं।

घाट पर चेंजिग रूम नहीं, महिलाएं शर्मसार- प्रतिदिन शिप्रा स्नान करने आनेवाले श्रद्धालुओं मे अधिकांश महिलाएं व युवतियां भी होती हैं पर नदी में नहाने के बाद सबसे बड़ी समस्या जिससे उनका सामना होता है वह है घाटों पर चेंजिग रूम का सर्वथा अभाव। नहाने के बाद कपड़े बदलने के लिए न तो कोई रूम और न ही सुविधाघर ऐसे में खुले मे स्नानोपरांत कपड़े बदलना महिलाओं के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। महिलाएं ऐसी विकट स्थिति मे लज्जा से लाल ही होती रहती हैं।

शाही मस्जिद के हिस्से को हटाने के विरोध में पथराव

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

सड़क चौड़ीकरण के दौरान तनाव, महिलाओं को हटाते समय क्राइम ब्रांच टीआई पुष्पा पांचाल घायल, मौके पर भारी पुलिस बल तैनात







ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण को लेकर सोमवार सुबह शाही मस्जिद क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई के दायरे में आ रहे मस्जिद के हिस्से को हटाने की कार्रवाई के विरोध में बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान पथराव की घटना भी सामने आई।

जानकारी के अनुसार, टंकी चौराहे और शाही मस्जिद के आसपास सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग एकत्रित थे। विरोध कर रहे कुछ लोगों ने मस्जिद परिसर की ओर बढ़ने का प्रयास किया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस की ओर पथराव किए जाने की सूचना सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

महिलाओं के विरोध के बीच महिला टीआई घायल- विरोध प्रदर्शन में महिलाओं की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। नाका नंबर-5 के पास महिलाओं द्वारा सड़क पर बैठकर चक्काजाम किए जाने से यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस और महिला बल ने उन्हें सुरक्षित तरीके से हटाने का प्रयास किया। इसी दौरान क्राइम ब्रांच में पदस्थ थाना प्रभारी पुष्पा पांचाल के हाथ में चोट लग गई।

पुलिस के अनुसार, कुछ महिलाएं आगे बढ़ रही थीं और उन्हें सुरक्षित तरीके से पीछे हटाया जा रहा था। महिलाएं चादर की आड़ में थीं। इसी दौरान चादर के कोने से टीआई के हाथ में कट लग गया। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया और हाथ में पट्टी बांधी गई। पुलिस के मुताबिक किसी महिला को चोट नहीं आई और सभी महिलाएं सुरक्षित हैं।

घायल होने के बाद टीआई पुष्पा पांचाल ने कहा कि यह कानून-व्यवस्था की ड्यूटी का हिस्सा है और महिलाओं को सुरक्षित तरीके से हटाने के दौरान उनके हाथ में चोट लगी।





900 मीटर मार्ग का होना है चौड़ीकरण

सिंहस्थ-2028 को देखते हुए कंठाल चौराहे से बड़े गोपाल मंदिर तक लगभग 900 मीटर मार्ग को करीब 15 मीटर चौड़ा करने की योजना है। इसी प्रस्तावित चौड़ीकरण की जद में शाही मस्जिद का कुछ हिस्सा आने की बात प्रशासन की ओर से कही गई है। प्रशासन द्वारा कार्रवाई की तैयारी के बीच रविवार से ही क्षेत्र में विरोध और पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई थी। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ की एकलपीठ ने 10 सितंबर को मस्जिद के हिस्से को हटाने के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इसके बाद मस्जिद प्रबंधन की ओर से युगलपीठ में अपील की गई है। इस मामले में सोमवार को सुनवाई प्रस्तावित है।

प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा बलों की भी तैनाती की गई है। रविवार को भी इलाके में फ्लैग मार्च किया गया था। प्रशासन की कोशिश है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए स्थिति को नियंत्रित रखा जाए। फिलहाल शाही मस्जिद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल मौजूद है और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है। सोमवार की हाईकोर्ट सुनवाई के बाद मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

इंदौर में नारंगी विनाइल से बदला बसों का रंग, अगले दिन हादसा

चेहरा चमकाने से क्या बसों की हालत भी सुधर गई?

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

खटारा बसों को नारंगी विनाइल से ढककर उनका बाहरी रूप बदलने की कवायद इन दिनों चर्चा में है। लाल रंग की पुरानी बसों पर नारंगी विनाइल चिपकाने से बसें दूर से भले ही बदली हुई नजर आने लगी हों, लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ रंग बदलने से उनकी तकनीकी हालत भी बदल गई?

विडंबना यह है कि बसों को नया रंग-रूप देने की कवायद के अगले ही दिन बस से जुड़ी दुर्घटना सामने आ गई। हादसे ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में चल रही पुरानी बसों की फिटनेस और यात्री सुरक्षा को लेकर सवाल फिर सामने ला दिए हैं।

बस पर विनाइल चिपकाने से ब्रेक नए नहीं हो जाते, पुराने टायर बदल नहीं जाते, स्टीयरिंग की स्थिति नहीं सुधरती और इंजन की उम्र भी कम नहीं होती। यात्रियों के लिए बस का रंग महत्वपूर्ण नहीं, सुरक्षित सफर महत्वपूर्ण है।

रंग नहीं, फिटनेस की जरूरत- इंदौर जैसे बड़े शहर में रोजाना बड़ी संख्या में विद्यार्थी, कर्मचारी, महिलाएं और आम नागरिक बसों से सफर करते हैं। ऐसे में सड़क पर उतरने वाली प्रत्येक बस की वास्तविक तकनीकी फिटनेस सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। ब्रेक, टायर, स्टीयरिंग, लाइट, दरवाजे और आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच जरूरी है। यदि बस की उम्र अधिक है तो उसकी फिटनेस जांच और भी गंभीरता से होनी चाहिए।

विनाइल से खटारापन नहीं छिपेगा



बसों का रंग बदलना अपने आप में समस्या नहीं है, लेकिन यदि रंग-रोगन को ही सुधार का पर्याय बना दिया जाए तो सवाल उठना स्वाभाविक है। अगले ही दिन सामने आए हादसे का कारण क्या था, यह जांच का विषय है और जांच पूरी होने से पहले किसी एक कारण को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन घटना ने इतना जरूर याद दिलाया है कि सार्वजनिक परिवहन में दिखावे से ज्यादा जरूरी सुरक्षा है। खटारा बस पर नारंगी विनाइल चिपकाने से उसका चेहरा बदल सकता है, बस की हालत नहीं। इंदौर की जनता को चमकती बस नहीं, सुरक्षित बस चाहिए।

आज शहीद भगत सिंह की जयंती

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

देश के महान क्रांतिकारी और अमर शहीद भगत सिंह की जयंती 28 सितंबर को देशभर में श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। उनका जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले के बंगा गांव में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। छोटी उम्र से ही देश की गुलामी और स्वतंत्रता आंदोलन के वातावरण ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला।

भगत सिंह का नाम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन क्रांतिकारियों में प्रमुखता से लिया जाता है, जिन्होंने युवाओं में राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता की भावना को नई धार दी।

जलियांवाला बाग की घटना ने छोड़ा गहरा प्रभाव- 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड का भगत सिंह पर गहरा प्रभाव पड़ा। कहा जाता है कि इस घटना ने उनके भीतर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष की भावना को और मजबूत किया। आगे चलकर उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई।

लाला लाजपत राय की मृत्यु का लिया बदला- 1928 में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान लाहौर में हुए लाठीचार्ज में लाला लाजपत राय गंभीर रूप से



घायल हुए और बाद में उनका निधन हो गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने इसके लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारी जेम्स ए. स्कॉट को निशाना बनाने की योजना बनाई। हालांकि पहचान की भूल से पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या हो गई।

तीन हजार आठ सौ फीट की ऊंचाई पर स्थित पितरों की मुक्ति के दाता 'मुक्तिनाथ'

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पितरों के स्मरण करने का पर्व अथार्त श्राद्धपक्ष में सभी की ये उत्कंठ इच्छा होती है कि हमारे पूर्वजों के निमित्त अच्छे से अच्छे धार्मिक कर्मकांड किए जाएं ताकि वे प्रसन्न होकर परिवार पर कृपावंत रहें और परिवार व वंशज प्रगति करें। पौराणिक ग्रंथ गरूडपुराण में पितरों के लिए विशेष पूजन व प्रमुख तीर्थों पर तर्पण व पिण्डदान का उल्लेख मिलता है। हमारे देश में गया (बिहार), ब्रह्मकपाल (उत्तराखंड), बनारस व इलाहबाद का जो महत्व श्राद्धपक्ष मे किए जानेवाले पिण्डदान का है वही महत्व नेपाल के मुक्तिनाथ का है।

हिमालय की सुरम्य वादियों में बसा प्रसिद्ध तीर्थ मुक्तिनाथ अपनी नैसर्गिक छटा व पितरों की मुक्ति के लिए पावन धाम है। मोक्ष के स्वामी विष्णु यहां सुन्दर रूप में विराजमान हैं। मुक्तिनाथ अथार्त मुक्ति के स्वामी के दर्शन मात्र से श्रद्धालु स्वयं को पुण्य का भागी समझते हैं। समुद्रतल से लगभग तीन हजार आठ सौ फुट की ऊंचाई पर स्थित मुक्तिनाथ अपनेआप में अद्भुत स्थल है। बहुत ठंडे इस तीर्थ पर पहुंचना पूर्व में बहुत ही कठिन होता था किन्तु वर्तमान समय में काफी सुविधाओं का विकास यहां हुआ है।







यहीं प्रकट हुए वामन अवतार- पौराणिक लोकमान्यता के अनुसार इसी स्थान पर दैत्यराज बलि के सम्मुख भगवान विष्णु प्रकट हुए थे और उन्होंने तीन पग भूमि मांगी थी, वरदान को पूर्ण न कर पाने से बलि ने क्षमायाचना करके मोक्ष चाहा था तब विष्णुजी ने उसे यहीं पर मोक्ष प्रदान किया था अतः इसे मुक्तिनाथ कहा जाने लगा। चूंकि बलि को यहां पर मुक्ति मिली इसी कारण यहां पितरों के लिए तर्पण व पिण्डदान का धार्मिक महत्व है।

पेगोडानुमा मंदिर मे विष्णु संग लक्ष्मी- मंदिर पेगोडानुमा शैली में बना हुआ है जिसमें विष्णुजी, लक्ष्मीजी व शेषनाग की पाषाण प्रतिमाएं हैं। कहा जाता है कि इनके दर्शन मात्र से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

पार्श्व में मुक्तिधारा - मुक्तिनाथ में मंदिर के पीछे सुन्दर 108 गौमुख आकृति के नल हैं जिनसे निरंतर गण्डकी नदी का शीतल जल प्रवाहित होता रहता है। इन 108 धाराओं के जल से स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि जीवित मनुष्य इन 108 धारा में नहा लेता है तो उसकी मृत्युपरांत मुक्ति निश्चित है।

लक्ष्मी व सरस्वती कुंड

मंदिर के समीप शीतल स्वच्छ जल के दो कुंड हैं जिनमें स्नान का महत्व है। तीर्थयात्री श्रद्धापूर्वक दोनों कुण्ड मे स्नान करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि दोनों कुंड के जल से स्नान करने पर धन, ऐश्वर्य, समृद्धि, बुद्धि, प्रज्ञा व ज्ञान सभी की प्राप्ति होती है तथा मरणोपरांत भवसागर से मुक्ति मिलती है।

अधिकांश माह बर्फ से ढंका रहता

अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर का रास्ता आसान नहीं है। ये नेपाल की राजधानी काठमांडू व पर्यटन नगरी पोखरा से समान दूरी पर स्थित है। निकटस्थ हवाईअड्डा जोमसोम है। दोनों शहरों से जोमसोम तक नियमित उड़ान हैं। वर्ष के कुछ माह मंदिर व पहुंच मार्ग बर्फ की सफेद चादर से ढंका रहता है। बस द्वारा भी मुक्तिनाथ पहुंचा जा सकता है किन्तु पूरा मार्ग चढ़ाई वाला होने से बस रेंगते हुए आगे बढ़ती है और कई घंटे का समय लेती है। श्राद्ध पक्ष के सोलह दिन यहां तीर्थयात्रियो की बहुत अधिक आवाजाही रहती है।

भस्मआरती श्रृंगार दर्शन



भगवान महाकाल को भांग, चंदन और आभूषण अर्पित कर राजा स्वरूप श्रृंगार किया

अपनेतक

बिना विवाद निकले हल, बनी रहे शहर की शांति

सिंहस्थ जैसे ऐतिहासिक और विशाल धार्मिक आयोजन की तैयारियों के बीच पिछले दो-चार दिनों से शहर में कुछ मुद्दों को लेकर गहमागहमी का माहौल दिखाई दे रहा है। ऐसे समय में सबसे जरूरी है कि विकास और सिंहस्थ के लिए आवश्यक कार्यों का रास्ता बिना विवाद और आपसी सहमति से निकले।

सिंहस्थ केवल शासन-प्रशासन का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे शहर की आस्था, परंपरा और प्रतिष्ठा से जुड़ा महापर्व है। इसलिए जहां कहीं भी सड़क, निर्माण, अतिक्रमण हटाने या अन्य कारणों से लोगों के हित प्रभावित हो रहे हों, वहां संवाद के माध्यम से समाधान तलाशना अधिक उपयोगी होगा। शहर विकास भी चाहता है और शांति भी। यदि संबंधित पक्ष आपसी बातचीत से ऐसा रास्ता निकाल सकें, जिसमें सिंहस्थ की जरूरतें भी पूरी हों और लोगों को अनावश्यक परेशानी या विवाद का सामना भी न करना पड़े, तो इससे बेहतर स्थिति क्या होगी। सिंहस्थ की तैयारियां किसी टकराव का कारण नहीं, बल्कि सहमति, सहयोग और सौहार्द का उदाहरण बनें—यही उज्जैन की पहचान के अनुरूप होगा। आखिर विकास ऐसा हो कि काम भी हो जाए, लोग राजी-खुशी रहें और शहर की शांति भी बनी रहे।

प्रदेश भर के 200 से अधिक श्री श्रीगौड़ ब्राह्मणों ने किया पितरों का सामूहिक तर्पण

उज्जैन। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज नवयुवक मंडल उज्जैन द्वारा रविवार को मंगलनाथ मंदिर के सामने स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में निःशुल्क सामूहिक तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री श्रीगौड़ परिषद मंडल तथा श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण सामाजिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन में प्रदेश भर से आए 200 से ज्यादा श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने अपने ज्ञात-अज्ञात पितरों की आत्मशांति के लिए सामूहिक रूप से तर्पण किया। रविवार सुबह तर्पण अनुष्ठान की शुरूआत हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समाजजनों ने पितरों को जल अर्पित किया। तर्पण कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात समाजजनों के लिए सामूहिक भोज और प्रसादी का आयोजन किया गया। पंडित पंकज जोशी ने बताया कि इस पूरे आयोजन की व्यवस्था और इसे संपन्न कराने में पंकज जोशी, पंकज शर्मा, दुष्यंत मंडलोई, पार्थ मंडलोई, शशांक पाठक, आशीष जोशी, नरेंद्र जोशी और विवेक शुक्ल की प्रमुख भूमिका रही। कार्यक्रम का सफल संचालन नवीन व्यास द्वारा किया गया तथा अंत में आभार आशीष पांड्या द्वारा व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह आयोजित

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. राकेश ढांड तथा विशिष्ट अतिथि सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शेखर मैदमवार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने की। रासेयो स्वयंसेवक छात्राओं द्वारा मंचासीन अतिथियों का बैज लगाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता एवं कार्यक्रम अधिकारी मोनिका परमार तथा रूपाली झीनीवाल द्वारा अतिथियों का शॉल एवं श्रीफल से स्वागत-सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष एवं पूर्व रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता जैन ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि रासेयो विद्यार्थियों में सेवा भावना के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यक्तित्व विकास की भावना विकसित करती है। मुख्य अतिथि डॉ. राकेश ढांड ने छात्राओं से सेवा, समर्पण, राष्ट्र निर्माण एवं देश के विकास जैसे विषयों पर विस्तार से संवाद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। सेवा कार्यों के माध्यम से युवा समाज की वास्तविक आवश्यकताओं को समझते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

आधा साल बीतने को पूरी किताबें वितरित नहीं हुई

परंपरागत समीक्षा निर्देशों में उलझी शिक्षा की व्यवस्था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जिले में शिक्षा की व्यवस्था परंपरागत समीक्षा निर्देश व्यवस्था में उलझकर रह गई है। आधार साल बीतने को आया है और उज्जैन जिले में पूरी किताबें तक विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं हो सकी है। पाठ्य पुस्तक निगम से जिले के 7 विकासखंडों में इस सत्र के लिए हाईस्कूल कक्षा के लिए 4 लाख 83 हजार 490 किताबें मांगी गई थीं, लेकिन निगम से महज 4 लाख 50 हजार 890 ही पहुंचीं। कागज पर वितरण पूरा 100% सामने आ रहा है जबकि जमीनी हकीकत में 32 हजार 600 किताबें कम हैं।

जिले में शिक्षा परंपरागत समीक्षा निदेशों में उलझकर रह गई है। ऐसे में अगर स्कूल भवनों को आपने अपडेट कर भी दिया और उन्हें तमाम नामों से नवाज भी दिया तो भी पुस्तकों के अभाव में विद्यार्थियों से उच्च प्रदर्शन की उम्मीद बेमानी ही साबित होगी। सबसे खराब हालत महिदपुर की है। यहां 96,882 किताबों की मांग के मुकाबले 75,860 ही आईं, यानी 21.70% पुस्तकें मिली ही नहीं है। प्राप्ति सिर्फ 78.3% सामने आ रही है। इसके बाद बडनगर तहसील में 71,414 में से 62,435 किताबें ही आईं, 12.57 प्रतिशत पुस्तकों के अभाव से ही काम चल रहा है । खाचरौद में मांग से 137 किताब ज्यादा मिली। बाकी 5 ब्लॉकों में स्थिति 97 से 99% तक ठीक है।



700 से अधिक स्कूलों की हालत मरम्मत लायक-

उज्जैन जिले में पहली से आठवीं तक के स्कूल भवनों की स्थिति यह है कि 700 से अधिक स्कूल भवनों में कुछ न कुछ मरम्मत की स्थिति बनी हुई है। 42 शालाओं की जीर्ण झ शीर्ण अवस्था के काम अधुरे हैं उनके लिए द्वितीय किश्त जारी नहीं होने के कारण यह हाल बन रहे हैं। करीब 80 में मरम्मत के काम जारी हैं।

9-12 में सभी भवन ओके

जिले में भले ही शिक्षा की आधार स्थिति कक्षा1 से 8 तक भवनों की स्थिति खराब हो,लेकिन कक्षा 9 से 12 तक भवनों की स्थिति चकाचक है। कहीं पर बहुत आवश्यक होने पर ही छोटा मोटा रिपेयरिंग का काम हो तो हो अन्यथा वो भी नहीं बताया जा रहा है। हाईस्कूल में जिले में 1300 से अधिक सायकलों का वितरण सत्र शुरू होने के आधा साल बीतने के बाद भी नहीं हो सका हैं।

संभागीय स्तर पर शिक्षा की समीक्षा हुई

शुक्रवार को संभागायुक्त आशीष सिंह ने उज्जैन संभाग के सभी जिलों में स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता परीक्षण एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग के लिए संभाग स्तर से दल गठित करने के निर्देश दिए हैं। दल में पीजीबीटी, डाइट के शिक्षक एवं अन्य शिक्षा विशेषज्ञों को रखा जाएगा। यह दल संभाग के स्कूलों में जाकर सर्वेक्षण करेगा तथा गुणवत्ता की रिपोर्ट संभागायुक्त को प्रस्तुत करेगा। संभागायुक्त ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा है कि किसी भी जिले में एक भी स्कूल में बच्चों की कक्षाओं का संचालन जीर्ण-शीर्ण भवन में नहीं किया जाये। बैठक में छात्रों के नामांकन, पुस्तक परिवहन एवं पुस्तक वितरण, साइकिल वितरण, स्कूटी वितरण तथा लैपटॉप वितरण योजना की समीक्षा की गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में पुस्तक वितरण में पुस्तकों की कमी हुई है, उन्हें समय-सीमा में पूरा करवाया जाए। बैठक में बताया गया कि पुस्तकों के परिवहन का लक्ष्य 100 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा वितरण की प्रगति भी संतोषजनक है। कक्षा 6वीं के बच्चों को साइकिल वितरण योजना में कुल 14,387 बच्चों को साइकिल वितरित की जाना है। साइकिल वितरण की स्वीकृति जारी कर दी गई है। समारोहपूर्वक इनका वितरण होगा। इसी तरह संभाग में कुल 762 छात्र-छात्राओं को स्कूटी वितरण होना है। कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्रों को लैपटॉप वितरण की योजना के तहत 14,116 छात्रों को लैपटॉप की राशि वितरित की जाना है। इसमें से 13,772 छात्रों को राशि का वितरण हो चुका है एवं शेष प्रक्रियाधीन है।

सच्चा साहित्य ज्ञान राशि का संचित कोष होता है : डॉ. देवकरण शर्मा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कालजयी साहित्य की रचना तपस्वी साहित्यकार करते हैं। उनका साहित्य सत्यम, शिवम, सुंदरम पर आधारित होता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए साहित्य ज्ञान राशि का संचित कोष होता है। यह विचार आध्यात्मिक मनीषी एवं चिंतक डॉ. देवकरण शर्मा ने साहित्यिक संस्था ह्रभाव प्रबोधह्न द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम में नई कविता के सशक्त हस्ताक्षर प्रमोद त्रिवेदी, मालवी कवि डॉ. शिव चौरसिया तथा प्रसिद्ध आशुकवि सूरज नागर को सम्मानित किया गया। साथ ही डॉ. आर.पी. तिवारी का भी सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृत के प्रख्यात विद्वान प्रो. बालकृष्ण शर्मा ने कहा कि भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में कहा है कि भाव के बिना रस की सत्ता नहीं रहती और रस के बिना भाव की सत्ता नहीं रहती। साहित्य में भाव और रस की एकात्मकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रबोध भी गूढ़ अर्थ वाला शब्द है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. शिव चौरसिया ने कहा कि साहित्यकार की वाणी और लेखनी से किसी को दुख नहीं पहुंचना चाहिए। कृतज्ञता मनुष्य का श्रेष्ठ धर्म है।

डॉ. प्रमोद त्रिवेदी ने कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। पाठ्यक्रम में तुलसी और रहीम अब दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने उज्जैन के पुराने साहित्यिक परिवेश को याद करते हुए कहा कि भावसार बा की दुकान पर प्रतिदिन शाम को साहित्यकारों की महफिल जमती थी, लेकिन अब ऐसे दृश्य लुप्त होते जा रहे हैं। आशुकवि सूरज नागर ने इस अवसर पर अपनी तीन रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ह्रभाव प्रबोधह्न की संयोजक डॉ. प्रीति जोशी ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि साहित्यकार के शब्दों में शक्ति होती है। समाज को दिशा-निर्देश देने का कार्य साहित्यकार करते हैं। तीन साहित्यकारों का सम्मान करते हुए संस्था स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है।

6 फीट की गली में 4×10 फीट का जानलेवा गड्ढा

दो साल से सड़क नहीं बनी, एक व्यक्ति की गिरने से मौत, आए दिन गिर रहे मवेशी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

वार्ड क्रमांक 8 के नामदारपुरा स्थित ग्यास का बाड़ा क्षेत्र की एक संकरी गली पिछले करीब दो वर्षों से बदहाली का शिकार है। स्थानीय निवासी तोफीक कुरैशी के अनुसार केडी गेट से इमली चौराहा क्षेत्र में हुए अतिक्रमण हटाने के दौरान यह मार्ग क्षतिग्रस्त हुआ था, लेकिन इसके बाद से अब तक इसकी सुध नहीं ली गई।

कुरैशी ने बताया कि करीब 6 फीट चौड़ी गली में लगभग 4 बाय 10 फीट का नाली का हिस्सा धंसकर गहरे गड्ढे में तब्दील हो गया है। हालत यह है कि गली से निकलने वाले लोगों को हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस स्थान पर गिरने से एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोग घायल हो चुके हैं।





मवेशियों के लिए भी बना खतरा

खुले और धंसे हुए हिस्से में आए दिन गाय सहित अन्य मवेशियों के गिरने की घटनाएं भी होती रहती हैं। संकरी गली होने के कारण पैदल निकलने वालों के लिए भी बचकर निकलना मुश्किल हो जाता है। बारिश या अंधेरे के समय खतरा और बढ़ जाता है।

स्थानीय निवासी का कहना है कि यदि समय रहते गली और नाली की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में भी गंभीर जनहानि अथवा दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी। समस्या वार्ड क्रमांक 8 से जुड़ी है और यहां के पार्षद गजेंद्र हीरवे हैं। क्षेत्र जीवाजीगंज थाना अंतर्गत आता है। स्थानीय लोगों की मांग है कि नगर निगम तत्काल मौके का निरीक्षण कर धंसी नाली को दुरुस्त करवाए और गली का निर्माण कराकर लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान करे।

ग्रामीण और शहर कांग्रेस की संयुक्त बैठक में बनी रणनीति

चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल, 30 को करेंगे घेराव

मुख्य चुनाव आयुक्त का मांगा इस्तीफा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

चुनाव प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। जिला ग्रामीण और शहर कांग्रेस 30 सितंबर को निर्वाचन कार्यालय का घेराव करेगी। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जाएगी। घेराव की यह रूपरेखा शहर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पदाधिकारियों, मोर्चा संगठनों, पार्षदों और कार्यकताओं की संयुक्त बैठक में तय की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला ग्रामीण अध्यक्ष व विधायक महेश परमार और शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के भाजपा एजेंट के रूप में काम करने का जो पदार्फाश किया है, उससे देश का मतदाता स्तब्ध है। नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा जनता के मतों पर कुठाराघात किया जा रहा है और रक्फ की प्रक्रिया में सत्ता पक्ष को सीधा लाभ पहुंचाया गया है।

बैठक में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे

आंदोलन की रणनीति को लेकर आयोजित इस बैठक को नगर निगम नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय, राजेश राणा, चंद्रभान सिंह चंदेल, धीरज यादव और राहुल लोट सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

संगठन मंत्री अजय राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में अनवर बाबा, चंदू यादव, डॉ. बबलू खींची, संचित शर्मा, अभिषेक शर्मा, रहीम लाला, छोटेलाल मंडलोई, वासुदेव रावल, मुकेश सूर्यवंशी, धर्मेंद्र सिसोदिया, चेतन भाट, हिमांशु शुक्ल, श्याम जटिया, चुन्नीलाल धेर्या, अर्पित यादव, विकास मालवीय, लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, वरुण शर्मा, कुलदीप जाट, कृष्णा यादव, शुभम यादव, नीलम विश्वास, ऊषा मालवीय और सीमा डोडिया सहित समस्त मंडलम अध्यक्ष व सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पेट्रोल-डीजल की बचत के संदेश हुए हवा-हवाई

अब नेताओं के काफिले और रैलियां निकल रहीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कुछ समय पहले तक पेट्रोल-डीजल की बचत, अनावश्यक वाहनों के इस्तेमाल से बचने और पर्यावरण संरक्षण के संदेश दिए जा रहे थे। लोगों से अपील की जाती रही कि जरूरी न हो तो निजी वाहनों का उपयोग कम करें और ईंधन की बचत करें। लेकिन अब राजनीतिक कार्यक्रमों, रैलियों और नेताओं के दौरों के साथ सड़कों पर वाहनों के लंबे काफिले नजर आने लगे हैं।

एक नेता के साथ कई वाहन, आगे-पीछे सुरक्षा और कार्यकताओं की गाड़ियां तथा अलग-अलग स्थानों से पहुंचते समर्थकों के वाहन—इन काफिलों से सड़कों पर वाहनों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। कई बार कुछ मिनटों के राजनीतिक कार्यक्रम के लिए भी बड़ी संख्या में वाहन सड़कों पर उतर आते हैं।

संदेश और व्यवहार में अंतर

सवाल यह नहीं कि राजनीतिक कार्यक्रम या रैली नहीं होनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएं और राजनीतिक गतिविधियां स्वाभाविक हैं। सवाल यह है कि जब आम नागरिकों को ईंधन बचाने की सीख दी जाती है, तब राजनीतिक आयोजनों में वाहनों की संख्या और उनके उपयोग को लेकर भी वही संदेश क्यों दिखाई नहीं देता विशेषकर ऐसे समय में जब ईंधन की कीमत, प्रदूषण, ट्रैफिक दबाव और पर्यावरण संरक्षण लगातार चर्चा के विषय हैं, राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के काफिले भी सार्वजनिक संदेश का हिस्सा बनते हैं।

एक नेता, दर्जनों वाहन और सड़क पर बढ़ता दबाव

रैली या काफिले के दौरान एक साथ बड़ी संख्या में वाहनों के सड़क पर आने से यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। प्रमुख चौराहों पर कुछ समय के लिए जाम, पार्किंग की समस्या और आम वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं इतने वाहनों में होने वाली ईंधन खपत भी कम नहीं होती। यदि आम नागरिक को छोटी दूरी के लिए भी वाहन कम इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है तो सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं और राजनीतिक संगठनों से भी उदाहरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा स्वाभाविक है।

बचत का संदेश सिर्फ आम आदमी के लिए क्यों?

ईंधन बचाने का संदेश तभी प्रभावी दिखाई देगा, जब वह केवल भाषणों और सरकारी अभियानों तक सीमित न रहे। राजनीतिक दल चाहें तो बड़े काफिलों के बजाय सीमित वाहनों, साझा परिवहन और सुव्यवस्थित कार्यक्रमों के माध्यम से भी अपनी राजनीतिक गतिविधियां चला सकते हैं।

मालवी लोक गायन में अजय गांगोलिया ने जीता राष्ट्रीय युवा प्रतिभा सम्मान

उज्जैन। मालवा की लोक संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले युवा कलाकार अजय गांगोलिया ने राष्ट्रीय युवा प्रतिभा सम्मान प्रतियोगिता 2026 में मालवी लोक गायन विधा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। भोपाल की सेज यूनिवर्सिटी में आयोजित सम्मान समारोह में अजय गांगोलिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में सुप्रसिद्ध ध्रुपद गायक पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा और केंद्र के उप निदेशक मुकेश उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि अजय गांगोलिया को पूर्व में आकाशवाणी और दूरदर्शन महानिदेशालय नई दिल्ली द्वारा ए ग्रेड तथा संस्कृति मंत्रालय से युवा कलाकार छात्रवृत्ति भी मिल चुकी है।

20वें अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

लोकगीत और नृत्यों में दिखा उत्साह, देशभर के 450 कलाकारों ने दी प्रस्तुति, आज शहीद पार्क में होगा माच का मंचन और सम्मान समारोह

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मालवी लोक संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित 20वें अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। लोकोत्सव की शुरूआत प्रातः मां शिप्रा के पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का विधिवत श्रीगणेश किया। पहले दिन आयोजित प्रतियोगिताओं में देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक छटा बिखेरी।

प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित इस लोकोत्सव के प्रथम दिन सामूहिक लोकगीत, सामूहिक लोकनृत्य एवं एकल लोकनृत्य प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु, बिहार, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश के साथ ही नेपाल के लोकगीत व लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए। दिनभर चली प्रतियोगिता में लगभग 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया। लोकगीत प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में कृष्णा वर्मा, सुंदरलाल मालवीय, माधव तिवारी और नृत्य में इंदौर की साधना मादावत, तरुणा जोशी व सीमा शर्मा उपस्थित थीं।





गोबर से कलाकृतियां बनाने की हुई कार्यशाला

संस्था की उपशाखा मांडना चौपाल के संयोजन में कृति अग्रवाल द्वारा गाय के गोबर से कलाकृतियां बनाने की कार्यशाला लगाई गई, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने प्रशिक्षण लिया। उद्घाटन अवसर पर अतिथि के रूप में संस्कार भारती के अखिल भारतीय कोष प्रमुख श्रीपाद जोशी, डॉ. शिव चौरसिया, डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा और मायावती बधेका उपस्थित थीं। स्वागत भाषण संस्था की मानसेवी निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने दिया तथा संचालन लोकेश सिंह तोमर व शेफाली चतुर्वेदी ने किया। यह आयोजन संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली, मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर, मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड और संस्कार भारती उज्जैन के सहयोग से किया जा रहा है।

आज होगा 'राजा हरिश्चंद्र' माच का मंचन

लोकोत्सव के दूसरे दिन 28 सितंबर को शाम 7 बजे शहीद पार्क पर मालवा की समृद्ध लोक परंपरा के तहत लोकनाट्य माच का मंचन होगा। वरिष्ठ माच कलाकार सुधीर सांखला के संयोजन एवं बाबूलाल देवड़ा चिकली वाले के निर्देशन में मां ब्रह्माणी माच कला मंडल द्वारा 'राजा हरिश्चंद्र' की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही इंदौर की शीतल अत्रे निमाड़ी लोकगीत और हर्षा शर्मा, शेफाली चतुर्वेदी व समूह मालवी लोकगीत प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर सुश्री शीला विकास को लोक विदुषी सम्मान एवं वरिष्ठ माच कलाकार रतनलाल जी महाराज को लोक कला शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

उज्जैन
सोमवार
28
सितम्बर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

श्रियः प्रदुग्धे विपदो रुणद्धि यशांसि सूते मलिनं प्रमार्ष्टि।
संस्कारशौचेन परं पुनीते शुद्धा हि बुद्धिः किल कामधेनुः।।

अर्थ: संपत्ति संपत्ति को धोखा देती है, संपत्ति संपत्ति है, पैसा दूसरों को धोखा देता है, और वाचा पवित्र होती है।

खबर एक नजर...

भाई को छुड़ाने थाने पहुंची महिला, आरक्षक को धमकाया

इंदौर। सराफा थाने में हवालात में बंद भाई वासु चौधरी को छुड़ाने पहुंची उसकी बहन ज्योति चौधरी ने आरक्षक से विवाद कर दिया। वह मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगी। पुलिसकर्मियों ने उसे रोका तो उसने आरक्षक मनीष यादव को धमकी दी और हाथापाई की कोशिश की। मामले में मनीष की शिकायत पर पुलिस ने ज्योति के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने की धारा में एफआईआर दर्ज की है। आरक्षक मनीष यादव ने शिकायत में बताया कि 26 सितंबर को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत वासु चौधरी और सुमित भदौरिया को हवालात में रखा था। वरिष्ठ अफसरों के कहने पर वासु को मेडिकल के लिए भेजा गया था। लौटने के बाद उसे दोबारा हवालात में रखा गया। इसी दौरान ज्योति थाने पहुंची और वासु को अपने साथ ले जाने की जिद करने लगी। वह मनीष से बहस करने लगी और जबरन मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने लगी। रोकने पर उसने धमकी दी कि बात नहीं मानी तो वह उसे मारेगी। इसके बाद ड्यूटी के दौरान हाथापाई की कोशिश की। घटना की जानकारी वरिष्ठ अफसरों को दी गई, जिसके बाद ज्योति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

इंदौर के प्रद्युम्न और शिखा कल जापान में लहरों को देंगे चुनौती



इंदौर। जापान के आइची-नागोया शहर में चल रहे 20वें एशियाई खेलों में मंगलवार का दिन इंदौर के लिए खास होने वाला है। यहां कैनो स्लालम स्पर्धा में उफनती लहरों के बीच इंदौर के प्रद्युम्न सिंह राठौर व शिखा चौहान भारत की ओर से दावेदारी पेश करेंगे। इनके अलावा मप्र के हितेश केवट (कयाक क्रॉस) व पल्लवी जगताप व रीना सेन (कैनो एकल) भी कैनो स्लालम में अपना दम दिखाएंगे। चार दिनों तक चलने वाले इस इवेंट के पहले दिन शुरूआती मुकाबले (हीट्स और टाइम ट्रायल) खेले जाएंगे, जबकि पदकों का अंतिम फैसला 2 अक्टूबर को फाइनल राउंड में होगा। सहस्त्रधारा की लहरों से बढ़ी मेडल की आस कैनो स्लालम उफनती लहरों (रैपिड्स) के बीच खेला जाने वाला एक साहसिक खेल है, जिसमें तेज बहाव में नाव को बिना बाधाओं (गेट्स) को छुए निकालना होता है। मप्र के इन खिलाड़ियों के पदक जीतने की संभावना इसलिए अधिक है, क्योंकि इनकी ट्रेनिंग महेश्वर स्थित नर्मदा नदी की सहस्त्रधारा में हुई है। यहां पत्थरों के बीच से बहने वाली प्राकृतिक तेज जलधाराएं दुनिया के बेहतरीन स्लालम ट्रैक्स जैसा अनुभव देती हैं, जिससे खिलाड़ियों का संतुलन कृत्रिम लहरों पर भी अचूक रहता है। शिखा कयाक क्रॉस में मेडल की दावेदार शिखा महिला वर्ग की कयाक क्रॉस स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी। गति और संतुलन के इस खतरनाक खेल में शिखा की फुर्ती उनकी सबसे बड़ी ताकत है। शिखा का मौजूदा फॉर्म काफी आक्रामक है। कैनो एकल में प्रद्युम्न का अचूक नियंत्रण तरण पुष्कर से शुरूआत करने वाले प्रद्युम्न पुरुष वर्ग की कैनो एकल स्पर्धा में उतरेंगे। वे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। तेज लहरों के बीच कैनो को साधने में उन्हें महारत है।

ग्रीन बेल्ट बचाने के साथ ट्रैफिक मैनेजमेंट चुनौती

इंदौर। नए मास्टर प्लान-2041 का ड्राफ्ट तैयार हो चुका है, जिसमें शहर का दायरा अगले 15 साल में 375 वर्ग किमी बढ़ाने की तैयारी है, लेकिन इतने बड़े विस्तार के साथ ग्रीन बेल्ट बचाना और बढ़ते ट्रैफिक को संभालना बड़ी चुनौती होगी। मास्टर प्लान-2041 में 53 लाख की आबादी को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग एरिया 505 से बढ़ाकर 880 वर्ग किमी करने का प्रस्ताव है। इसमें 79 नए गांव जुड़ेंगे और कुल 169 गांव प्लान का हिस्सा होंगे। नए क्षेत्रों को सड़क नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन से जोड़ने के साथ करीब 12 नई सड़कों और कुछ प्रमुख मार्गों को 6 से 8 लेन करने का प्रावधान है। मेट्रो व प्रमुख पब्लिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के आसपास टीओडी में एफएआर 5 तक करने का प्रस्ताव है। इससे कॉम्पैक्ट डेवलपमेंट बढ़ेगा, लेकिन ट्रैफिक और पार्किंग का दबाव भी बढ़ सकता है। वहीं मौजूदा ग्रीन एरिया घटने के बीच कृषि, पहाड़ी और जल क्षेत्रों को ग्रीन बेल्ट में शामिल करना प्रस्तावित है। जहां सड़कें बाजार बन गईं, वहां बदलेगा लैंड यूज एमजी रोड, विजय नगर-बापट चौराहा और सपना-संगीता रोड जैसे क्षेत्रों में आवासीय लैंड यूज को कमर्शियल करने का प्रस्ताव है। नए कमर्शियल एरिया भी चिह्नित होंगे। कैलोद-करताल और मोरोद की प्रस्तावित मंडियों की जमीन का उपयोग यथावत रहेगा। कुमेड़ी रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट विस्तार और स्पोर्ट्स हब के लिए तय जमीन भी बरकरार रहेगी। ट्रांसपोर्ट हब के लिए नई जमीन रिजर्व की जाएगी।

बंगाली चौराहे पर एक दीया उम्मीद का जलाया, कैंडल मार्च निकाला, बोले- रातों की नींद उड़ गई

अंडरग्राउंड मेट्रो के विरोध में सड़क पर उतरे रहवासी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के बीच प्रस्तावित भूमिगत रूट को लेकर तिलक नगर, गोयल नगर, साईंनाथ कॉलोनी और आसपास के रहवासियों का विरोध तेज हो गया है। सोमवार रात को बड़ी संख्या में रहवासी बंगाली चौराहे पर एकत्रित हुए। यहां उन्होंने एक दिया उम्मीद का जलाया और कैंडल मार्च निकालकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। विरोध के दौरान टेंडर की कॉपी फाड़कर नारेबाजी भी की गई।

रहवासियों ने कहा कि उनका विरोध मेट्रो परियोजना से नहीं है। वे चाहते हैं कि घनी आबादी, पुराने मकानों और बड़ी संख्या में बोरिंग वाले इलाकों के नीचे से प्रस्तावित सुरंग के बजाय दूसरे संभावित रूट का भी तकनीकी अध्ययन कराया जाए। प्रदर्शन रात 9 बजे शुरू हुआ और 10.30 बजे तक जारी रहा।

रहवासी सीए मनीष जैन, राजेश अग्रवाल और राजीव जैन ने बताया कि इलाके के कई लोगों को प्रस्तावित भूमिगत रूट की पूरी जानकारी नहीं थी। अभियान के दौरान लोगों को रूट और इससे जुड़े संभावित प्रभावों की जानकारी दी गई। इसके बाद रहवासियों से उनकी आपत्तियां और सुझाव भी दर्ज किए गए। प्रदर्शन के दौरान विपुल जैन, विकास मिश्रा, राजेश जैन सहित महिलाएं भी शामिल रही।



रहवासियों की प्रमुख मांगें

प्रस्तावित भूमिगत रूट के विकल्पों का तकनीकी अध्ययन कराया जाए। घनी आबादी वाले क्षेत्रों के नीचे टनल निर्माण के संभावित प्रभाव का आकलन हो। पुराने मकानों की संरचनात्मक सुरक्षा का सर्वे कराया जाए। बोरिंग और भूजल पर संभावित प्रभाव की विशेषज्ञों से जांच कराई जाए। प्रभावित रहवासियों को प्रस्तावित रूट और निर्माण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाए।

हमारी रातों की नींद उड़ गई

रहवासियों ने बताया कि हमारी रातों की नींद उड़ गई है, जबसे हमें पता चला है कि अंडरग्राउंड मेट्रो निकलने वाली है। तिलक नगर और आसपास के क्षेत्रों में कई परिवार घरेलू जरूरतों के लिए बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। रहवासियों ने आशंका जताई है कि टनल बोरिंग मशीन से भूमिगत निर्माण के दौरान स्थानीय जलस्त्रोतों और मौजूदा बोरिंग पर असर पड़ सकता है। बड़ी संख्या में बोरिंग प्रभावित हुए तो आने वाले समय में इलाके में जलसंकट की स्थिति पैदा हो सकती है।

50-60 साल पुराने मकानों की सुरक्षा का मुद्दा

विरोध कर रहे लोगों के मुताबिक इलाके में बड़ी संख्या में मकान 50 से 60 वर्ष पुराने हैं। ऐसे में रहवासियों का सवाल है कि भूमिगत निर्माण के दौरान जमीन में होने वाले बदलाव और कंपन का इन पुराने भवनों की नींव पर क्या असर पड़ेगा। तिलक नगर के रहवासी सीए मनीष जैन हमने उम्मीद का एक दिया जलाकर प्रशासन को बताया है कि हमारी उम्मीद अभी भी जारी है। रहवासी क्षेत्र से मेट्रो निकलेगी तो सभी की समस्या बढ़ जाएगी। पुराने मकान के टूटने का खतरा होगा।

लिखित आश्वासन मिलने तक जारी रहेगा आंदोलन- गोयल नगर के रहवासी राजेश अग्रवाल ने बताया कि शासन, प्रशासन, मेट्रो प्रबंधन और जनप्रतिनिधि जब तक हमें लिखित में आश्वासन नहीं देंगे, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हमने कोर्ट में भी याचिका लगा दी है। हमारे साथ धोखा हुआ है, इन्होंने बिना जानकारी देते हुए टेंडर बदला है।

जेन जी भी आंदोलन में शामिल होने की तैयारी में- रहवासी अंकित दुबे ने कहा कि इस आंदोलन में अब जेन जी भी जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही युवाओं की ओर से भूमिगत मेट्रो के प्रस्तावित रूट को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।आने वाले दिनों में अभियान को और व्यापक किया जाएगा और क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाएगा।

हमारे बोरिंग खत्म हो जाएंगे- गोयल नगर की रहवासी स्मिता ने बताया कि हमारे बोरिंग खत्म हो जाएंगे। हमारे मकानों में दरार आने की आशंका है। हम हमारे घर के नीचे से मेट्रो नहीं निकलने देंगे।

एडवोकेट सपना ने बताया कि रहवासी क्षेत्र से अंडरग्राउंड निकल रही है। पहले यहां से एलिटिवेटेड मेट्रो निकलने वाली थी, लेकिन इन्होंने योजना में बदलाव कर दिया। छह हजार से अधिक मकान है, अंडरग्राउंड मेट्रो से सभी प्रभावित होंगे।

इंदौर में पानी, सीवरेज लाइनों के नाम पर लगातार तोड़ रहे सड़कें

नागपुर, मुंबई में अब पैवर ब्लॉक वाला सिस्टम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

शहर में सीमेंट-कांक्रीट रोड बनाने की प्लानिंग अगर ठीक से की गई होती तो पानी, सीवरेज, बिजली, गैस या इंटरनेट की सर्विस लाइन डालने के लिए सड़क तोड़कर दोबारा बनाने में 800 करोड़ रुपए खर्च नहीं करने पड़ते। अहमदाबाद, नागपुर और मुंबई में कई जगह मुख्य सड़क के दोनों तरफ पैवर ब्लॉक की लेन रखी गई है। यह इसलिए ताकि भविष्य में सर्विस लाइन डालने की जरूरत हो तो मुख्य सीमेंट सड़क में तोड़फोड़ करने के बजाय पैवर ब्लॉक हटाकर काम किया जा सके। काम पूरा होने के बाद इन्हें फिर लगाया जा सकता है। इस मॉडल में 60 फीट चौड़ी सड़क बनाने में प्रति किलोमीटर करीब 2.5 करोड़ रुपए लागत कम की जा सकती है।

60 फीट रोड में दोनों तरफ 10-10 फीट में लगें पैवर- अतुल सेठ, सीनियर सिविल इंजीनियर इंदौर में यह मॉडल अपनाया जा सकता है। अगर सड़क की स्टैंडर्ड चौड़ाई 60 फीट मानें तो इसमें 15-15 फीट की सीसी रोड रहे। इसके पास दोनों तरफ की 10-10 फीट की लेन को पेवर ब्लॉक से बनाई जाए। इस लेन में सीवेज, इंटरनेट, गैस और पानी की लाइनें डाली जा सकती हैं। भविष्य में इनमें मेंटेनेंस वगैरह के लिए पूरी सड़क खोदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सीसी रोड की लागत करीब 300 रुपए प्रति वर्गफीट है। 60 फीट चौड़ी सड़क के एक किमी हिस्से की लागत करीब 5 करोड़ आती है। प्रस्तावित मॉडल में सीसी रोड सिर्फ 30 फीट होगी जिसकी लागत करीब 2.5 करोड़/किमी होगी।



नगमायुक्त क्षितिज सिंघल से सीधी बात

सवालः नागपुर, अहमदाबाद और मुंबई में सीसी सड़कों को पूरी चौड़ाई पर नहीं बनाते। दस-दस फीट पेवर ब्लॉक लगाते हैं। इससे पूरी रोड खराब नहीं होती। ऐसा मॉडल इंदौर क्यों नहीं अपनाता? हम भी ऐसे ही मॉडल पर जाने की तैयारी में हैं। हालांकि बड़ी सड़कों में हमने यूटिलिटी के लिए पेवर ब्लॉक लगाए हैं।

सवाल : जोन की सड़कों में ऐसा क्यों नहीं होता, जबकि सबसे ज्यादा टूट-फूट वही होती है? अच्छा सुझाव है। हम इस पर विचार करेंगे।

4 अक्टूबर को एमपी पीएससी का एग्जाम

4 विषयों के लिए होगी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर मप्र लोकसेवा आयोग की अब इस साल सिर्फ दो बड़ी परीक्षाएं होंगी। बाकी फोकस इंटरव्यू पर रहेगा। सबसे बड़ी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2025 का तीसरा चरण 4 अक्टूबर को होगा। इसमें गणित के 107 पद, केमिस्ट्री के 116, हिस्ट्री के 58 व फिजिक्स के 120 पद हैं। वहीं चौथे चरण की परीक्षा 29 नवंबर को होगी। इसमें जूलॉजी व कंप्यूटर साइंस विषय रहेंगे। कंप्यूटर साइंस में 29 तो जूलॉजी में 119 पद हैं। इसके साथ ही पीएससी की 1 नवंबर को एडीपीओ भर्ती परीक्षा होगी। उसमें 107 पदों के लिए रिकॉर्ड 30 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। बाकी कम पदों की छोटी परीक्षाएं हैं। यही वजह है कि पीएससी का फोकस अब बचे हुए तीन माह में सबसे ज्यादा इंटरव्यू पर है। 04 अक्टूबर को ही आंतरिक लेखा अधिकारी परीक्षा भी। 22 नवंबर को सहायक संचालक किसान कल्याण व कृषि विकास परीक्षा-2025 होगी। 22 को ही वैज्ञानिक अधिकारी भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान परीक्षा-2026 एवं सहायक संचालक किसान कल्याण व कृषि विकास सांख्यिकी परीक्षा-2026 भी। एमपीपीएससी की 30 पदों के लिए राज्य वन सेवा परीक्षा-2026 रविवार को ऑफलाइन पद्धति से दोपहर 12 से 3 बजे तक हुई।

दशहरा मैदान की हरियाली पर विकास की आंच

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

विकास के नाम पर शहर के बीच बची हरियाली को लगातार उजाड़ा जा रहा है। पश्चिम क्षेत्र के खुले और हरित क्षेत्रों में शामिल दशहरा मैदान भी अब इसकी जद में आ गया। यहां शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेदिक महाविद्यालय के होस्टल के लिए जमीन आवंटित की गई है। जो जगह दी गई है, वहां कुछ पेड़ भी हैं। निर्माण के लिए छोटे-बड़े पेड़ों को हटाना पड़ेगा। कॉलेज प्रशासन ने पेड़ हटाने की अनुमति के लिए नगर निगम को पत्र लिखा है और निगम ने राशि जमा कराने के लिए पत्र भेज दिया है। अभी प्रक्रिया पत्राचार में है, लेकिन अनुमति मिलते ही मैदान की हरियाली प्रभावित होना तय है। दशहरा मैदान केवल खाली जमीन नहीं है। पश्चिम क्षेत्र में यह ऐसा खुला स्थान है, जहां सुबह-शाम बड़ी संख्या में लोग वॉकिंग और रनिंग के लिए पहुंचते हैं। बच्चे और युवा खेलते हैं। ऐसे में यहां निर्माण होने का असर सिर्फ कुछ पेड़ों के हटने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मैदान के खुले और हरित हिस्से पर भी पड़ेगा। नए पौधे लगाने के दावे, पुराने पेड़ों पर लगातार दबाव नगर निगम हर साल शहर में बड़ी संख्या में पौधे लगाने का दावा करता है, लेकिन शहर के बाहरी हिस्सों में लगाए गए पौधों को बड़ा पेड़ बनने में वर्षों लगेंगे। डिवाइडरों पर सजावटी पौधे लगाए गए हैं। इसके उलट शहर के बीच मौजूद पुराने पेड़ पहले से तैयार हरित आवरण देते हैं।

बदहाली झेल रहा पार्क : बदहाल रीजनल पार्क को निजी कंपनियां लेने को तैयार नहीं, अब छठी बार कोशिश

एंट्री गेट पर टाइल्स और ग्रेनाइट टूटे, म्यूजिकल फाउंटेन बंद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

लंबे समय से बदहाली झेल रहे पीपल्यापाला स्थित रीजनल पार्क को एक बार फिर निजी हाथों में देने की कवायद शुरू हो गई है। पांच बार पीपीपी मॉडल पर निजी एजेंसी तलाशने की नाकाम कोशिश के बाद अब नगर निगम ने कंसल्टेंट नियुक्त करने के लिए टेंडर जारी किया है।

कंसल्टेंट पार्क के पुनर्विकास, निवेश और पीपीपी मॉडल पर संचालन के लिए तकनीकी व वित्तीय मॉडल तैयार करने में निगम की मदद करेगा। इसके बाद निजी एजेंसी के चयन के लिए छठी बार टेंडर जारी किया जाएगा।

इससे पहले निगम पार्क की बदहाली दूर करने पर जोर दे रहा है। एंट्री गेट पर कई जगह टाइल्स और ग्रेनाइट टूट चुके हैं। पार्क की दूसरी सुविधाएं भी लंबे समय से खराब या बंद पड़ी हैं। पिछले साल बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए 16 लाख रुपए का टेंडर जारी किया गया था, लेकिन काम आवंटित होने के ऐनवक्त पर इसे निरस्त कर दिया गया। निगम का मानना है कि मौजूदा स्थिति में पार्क में बड़ा निवेश करने के लिए निजी एजेंसियां रुचि नहीं दिखा रही हैं, इसलिए पहले जरूरी सुधार कराए जाएंगे।

कम राशि पर देने की आपत्ति के बाद निरस्त किया टेंडर पिछली बार 15 हेक्टेयर क्षेत्र को 27 साल के लिए निजी कंपनी को देने की तैयारी थी। इसके लिए कंपनी को सालाना 2 करोड़ 28 लाख रुपए निगम को देने थे। बदले में यहां बार, मैरिज गार्डन और एम्यूजमेंट पार्क जैसी गतिविधियां संचालित करने की अनुमति देने का प्रस्ताव था। निगम का कहना था कि निजी कंपनी पीपीपी मॉडल पर करीब 40 करोड़ रु. निवेश कर पार्क का कायाकल्प करेगी। हालांकि इतनी बड़ी और शहर के बीच स्थित जमीन को 27 साल के लिए अपेक्षाकृत कम राशि में देने को लेकर सवाल उठे। बाद में यह टेंडर भी निरस्त कर दिया गया।

छह साल से चल रही कवायद रीजनल पार्क को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की कोशिश वर्ष 2020 में शुरू हुई थी। तब मौजूदा अटल बिहारी वाजपेयी रीजनल पार्क के रिफर्बिशमेंट के साथ यहां एम्यूजमेंट पार्क विकसित करने के लिए पहली फ्रन्छ जारी की गई थी। निजी एजेंसी को करीब 15 साल के लिए पार्क के विकास और संचालन से जोड़ने की योजना थी, लेकिन यह निविदा बाद में निरस्त हो गई।



रॉयल लुक पर तैयार हो रहे एंट्री गेट, होल्कर राजवंश ने दी थी जमीन

भारत-वेस्टइंडीज मैच से पहले बदलेगा स्टेडियम का लुक

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में 11 अक्टूबर को होने वाले भारत-वेस्टइंडीज टी20 मुकाबले को लेकर होलकर स्टेडियम में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार क्रिकेट फैंस को स्टेडियम का रॉयल लुक नजर आएगा। एंट्री गेट को किले की थीम पर तैयार किया जा रहा है। गेट के डिजाइन और रंग-रूप को अंतिम रूप देने का काम तेजी से चल रहा है। स्टेडियम के एंट्री गेट को किले की थीम के अनुसार तैयार किया जा रहा है। इसे किले जैसा रंग-रूप और डिजाइन दिया जा रहा है।

एंट्री गेट के साथ स्टेडियम के अंदर भी मरम्मत और व्यवस्थाओं से जुड़े काम शुरू हो गए हैं। अलग-अलग हिस्सों में जरूरी सुधार किए जा रहे हैं। वीआईपी दर्शकों के बैठने के लिए विशेष मंच तैयार किया जा रहा है। मैच से पहले अन्य व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दिया जाएगा।

2011 में स्टेडियम के पवेलियन, ड्रेसिंग रूम और स्टैंड के नामकरण के लिए समिति बनाई गई थी। कमेटी की सिफारिशों के आधार पर नामकरण किया गया। ग्वालियर राज्य के महाराजा माधव राव सिंधिया के नाम पर प्रेस बॉक्स है। पवेलियन के नाम कर्नल सीके नायडू और कप्तान मुश्ताक अली के नाम पर हैं।

ड्रेसिंग रूम के नाम दिग्गज खिलाड़ी मंसूर अली खान पटौदी और राहुल द्रविड़ के नाम पर हैं। इसके अलावा स्टेडियम के गेट्स के नाम इंटरनेशनल क्रिकेटर नरेंद्र हिरवानी के नाम पर हैं। विजय हजारे, अजीत वाडेकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, सचिन तेंदुलकर और अनिल कुंबले के नाम पर स्टैंड हैं।



होलकर स्टेडियम का इतिहास- स्टेडियम के लिए जमीन होलकर राजवंश ने दी थी। राजवंश ने क्रिकेट को प्रोत्साहित किया और होलकर क्रिकेट टीम रणजी ट्रॉफी में खेलती थी। टीम ने 10 रणजी ट्रॉफी सीजन में हिस्सा लिया और 8 बार फाइनल में पहुंची। इनमें 4 बार टीम चैंपियन बनी। मैदान के कुछ हिस्सों में पहले एक पुराना स्टेडियम था। होलकर क्रिकेट टीम ने इसी स्टेडियम में 3 रणजी ट्रॉफी जीते थे। यहां सीके नायडू और मुश्ताक अली जैसे खिलाड़ी भी खेल चुके हैं।

2 घंटे 20 मिनट में टिकट सोल्ड आउट - भारत-वेस्टइंडीज मुकाबले को लेकर फैंस में उत्साह है। शुक्रवार को ऑनलाइन टिकट बिक्री शुरू होने के बाद महज 2 घंटे 20 मिनट में सामान्य टिकट सोल्ड आउट हो गए। सुबह 6 बजे बिक्री शुरू हुई थी। सबसे पहले ईस्ट गैलरी की टिकटें फुल हुईं। इसके बाद वेस्ट गैलरी और पवेलियन की टिकटें भी तेजी से बिक गईं।

खबर एक नजर...

लोककला से रोजगार पलायन रुका, गांव वापस लौटे 100 परिवार

सीधी। जिन घरों में ताले लटक गए थे, अब शाम होते ही वहां ढोल, मांदर, गुदुम बाजा और बांसुरी के सुर सुनाई देते हैं। जिन बच्चों के हाथों में कभी कुदाल-तसले-हथौड़े होते थे, वे अब लोककला सीख रहे हैं। रोजगार की तलाश में गांव छोड़ चुके अब तक करीब 100 परिवार वापस लौट आए हैं। यह बदलाव किसी बड़े उद्योग या सरकारी कारखाने से नहीं आया। यह गांव की अपनी लोककला से संभव हुआ है। प्रदेश के सीधी जिले के बकबा गांव ने अपनी खोती लोक परंपराओं को फिर जिंदा कर लिया है। इन्हें बाजार से जोड़कर कमाई का जरिया बनाया गया है। इसका असर यह हुआ कि गांव में पलायन घटकर 20% रह गया है। वीरान पड़े घर दोबारा आबाद हो गए हैं। तकरीबन 1,000 की आबादी वाले इस गांव में 300 से अधिक सक्रिय कलाकार हैं, जिन्होंने लोककला को ही रोजगार का साधन बनाया है लोकनृत्य, लोकगीत और पारंपरिक बाजे अब गांव की पहचान बन गए हैं। नतीजा गांव में पर्यटन विकसित होने लगा है। लोग शहरों से यहां रुकने और गांव की संस्कृति और परंपरा को जानने आ रहे हैं। गांव में 10 होम स्टे भी तैयार किए गए हैं। इनमें से 6 में पर्यटक रुकने भी लगे हैं।

दूरदराज क्षेत्रों में डॉक्टर देने के नाम पर नीति बदली

भोपाल। जिला रेजीडेंसी प्रोग्राम (डीआरपी) की पोस्टिंग व्यवस्था तीन साल बाद बदली गई। मकसद था कि स्थानीय जरूरतों के हिसाब से डॉक्टरों की तैनाती हो और जिस क्षेत्र से मेडिकल कॉलेज में ज्यादा मरीज आते हैं, वहां के जिला अस्पतालों को ज्यादा डॉक्टर मिल जाएं। इसलिए राज्य स्तर से आवंटन खत्म कर मेडिकल कॉलेज के डीन की अध्यक्षता वाली समिति को जिले तय करने की जिम्मेदारी दी गई। लेकिन, परिणाम उलटा ही रहा। जुलाई 2026 की पोस्टिंग के आंकड़े बताते हैं कि नई व्यवस्था में दूरस्थ और पिछड़े जिलों तक डॉक्टर पहुंचने के बजाय बड़े मेडिकल कॉलेज और उनके पास के जिलों में जमावड़ा बढ़ गया। मार्च-जुलाई की तुलना में जुलाई के बाद कुल डॉक्टरों की संख्या जरूर 392 से बढ़कर 562 हुई, लेकिन 26 जिलों में डॉक्टरों की संख्या पहले से कम हो गई।

आयुष मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश आज से, एक तक भर सकेंगे फीस

भोपाल। प्रदेश के आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी मेडिकल कॉलेजों में सत्र 2026-27 के लिए स्नातक (यूजी) स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया 28 सितंबर से शुरू हो रही है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के निदेर्शों के तहत नीट क्वालिफाइड छात्रों को मेरिट काउंसिलिंग के आधार पर सीटें आवंटित की जा रही हैं। हालांकि, प्रक्रिया शुरू होते ही 28 से 30 सितंबर तक 3 दिन बैंक बंद होने से छात्रों के सामने फीस जमा करने का संकट खड़ा हो गया है। संचालनालय आयुष मप्र द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 15 फीसदी ऑल इंडिया कोटे के तहत प्रवेश 28 और 29 सितंबर को पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, भोपाल में अभिलेख सत्यापन के बाद होंगे। वहीं, 85 फीसदी स्टेट कोटे की रिवाइज्ड मेरिट सूची के बाद सीट आवंटन होगा। 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक छात्र आवंटित कॉलेजों में रिपोर्ट कर सकेंगे। प्रथम चरण में इन कॉलेजों में मिलेगा प्रवेशः भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अनुसार प्रथम चरण में भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, रीवा, बुरहानपुर, मंदसौर, रतलाम, छतरपुर और शिवपुरी समेत प्रदेश के 41 आयुष कॉलेजों की 3000 से अधिक सीटों पर दाखिले होने हैं। गौरतलब है कि ग्वालियर के शासकीय आयुर्वेद कॉलेज आमखो को यूजी की 75 सीट और पीजी की 5 सीटों के लिए मान्यता मिल चुकी है। इस शिक्षण सत्र में इन बढ़ी सीटों पर भी प्रवेश मिलेगा।

हाउसिंग प्रोजेक्टः19 साल बाद मप्र की 38 जेलों में प्रहरियों के लिए बनेंगे 244 मकान

भोपाल। राज्य शासन से 52.16 करोड़ मंजूर, 5 जिला जेल और 33 सब जेल योजना शामिल... भोपाल संभाग को मिलेंगे 52 मकान, फिर भी कमी... जरूरत 4450 आवासों की, नए मिलाकर भी होंगे 1444

मप्र जेल विभाग के मैदानी कर्मचारियों और प्रहरियों के लिए 19 साल बाद राहत भरी खबर आई है। प्रदेश की जेलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और प्रहरियों को आवासीय सुविधा देने के लिए राज्य शासन ने 52 करोड़ 15 लाख 99 हजार रुपए के नए हाउसिंग प्रोजेक्ट को प्रशासकीय मंजूरी दी है। इसके तहत प्रदेश की 38 जेलों में 244 नए एच-टाइप यानी 2इलड फ्लैट बनाए जाएंगे। इनमें 5 जिला जेल और 33 सब जेल शामिल हैं। निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को दी गई है। भोपाल सेंट्रल जेल इस सूची में शामिल नहीं है, क्योंकि योजना सब जेलों और जिला जेलों के लिए मंजूर की गई है। भोपाल संभाग के चार पड़ोसी जिलों की 9 जेलों को इसका फायदा मिलेगा। सीहोर जिला जेल में 12, रायसेन में 28, विदिशा जिले में 8 और राजगढ़ जिले में 8 आवास बनाए जाएंगे। इस तरह भोपाल संभाग में कुल 52 मकान बनेंगे।

वन विभाग में फर्जी टूर बिल का मामलाः जांच अटकी

ईओडब्ल्यू को 4 माह बाद भी नहीं दिया जवाब

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

वन विभाग में फर्जी टूर बिल लगाकर किए गए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े गंभीर मामले की जांच पिछले 4 माह से अटकी है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) को जांच शुरू करने के लिए वन विभाग के एसीएस को 4 माह पहले 26 मई को पत्र लिखकर विभागीय जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने और सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से प्रकरण भेजने को कहा था।

लेकिन विभाग ने न तो विभागीय जांच रिपोर्ट ईओडब्ल्यू को उपलब्ध कराई है, न ही ईओडब्ल्यू के पत्र का कोई जवाब दिया है। इस ढिलाई के कारण मामले की ईओडब्ल्यू जांच अधर में लटकी हुई है। गौरतलब है कि रिटायर्ड वन अधिकारी मधुकर चतुर्वेदी ने नर्मदापुरम में पदस्थ रहे वन विभाग के अधिकारी हरगोविंद मिश्रा और वन मुख्यालय में पदस्थ सतर्कता व शिकायत शाखा के प्रभारी एपीसीसीएफ अजय कुमार यादव के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं।



शिकायत में कहा गया है कि नर्मदापुरम सीसीएफ ने विभागीय जांच में फर्जी प्रशिक्षण कार्यक्रम और फेक टूर बिल में भ्रष्टाचार के मामले में हरगोविंद मिश्रा को बर्खास्त किया था। लेकिन एपीसीसीएफ ने विभागीय जांच को दरकिनार कर हरगोविंद मिश्रा की बर्खास्तगी को निरस्त कर दिया। शिकायत में आरोप लगाया है कि एक भ्रष्टाचारी को बचाने में दूसरे अफसर ने भी भ्रष्टाचार किया है।

जानबूझकर वन विभाग के अफसर कर रहे लेटलतीफी

मामले की जांच के लिए ईओडब्ल्यू ने नियमों के तहत सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से प्रकरण को आगे बढ़ाने के लिए वन विभाग से विभागीय अनुशंसा मांगी है। लेकिन ईओडब्ल्यू का पत्र मिले चार महीने बीत जाने के बाद भी वन विभाग ने इस पर कोई कदम नहीं उठाया है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की सख्तीःघटिया रोड बनाने वाले ठेकेदारों से होगी वसूली

ग्वालियर। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और निगम के अफसर ठेकेदारों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए नींद से जाग रहे हैं। एजी ऑफिस से विक्की फैक्ट्री (झांसी रोड) व फूलबाग चौपाटी से कुलदीप नर्सरी चेतकपुरी रोड के मामले में दोनों विभाग ठेकेदारों पर कार्रवाई और भुगतान वसूली की तैयारी कर रहे हैं।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद हुई जांच में इन सड़कों के सैंपल न सिर्फ फेल हुए हैं। बल्कि घटिया निर्माण की भी कई परतें खुलकर सामने आई हैं। जिससे यह स्पष्ट हुआ है कि कॉम्पैक्शन, मिट्टी भराव, गिट्टी लेयर, सीमेंट-कंक्रीट और डामरीकरण में भारी कटौती कर बनाई गई ये सड़कें भ्रष्टाचार के कारण बहुत कमजोर बनी हैं।

क्षमावाणी पर्व पर जयसिंहपुरा जिनालय से निकली श्रीजी की भव्य शोभायात्रा

रजत वेदी में विराजित होकर गऊघाट पहुंचे भगवान, स्वर्ण और रजत कलश से हुआ जलाभिषेक, समाजजनों ने एक-दूसरे से मांगी क्षमा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

पर्युषण पर्व के समापन और क्षमावाणी पर्व के अवसर पर रविवार को अतिशय क्षेत्र जयसिंहपुरा जिनालय से श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रजत वेदी में विराजमान श्रीजी की शोभायात्रा जलाभिषेक के लिए जल लेने गऊघाट पहुंची। यहां समाजजनों द्वारा भक्ति करने के पश्चात शोभायात्रा पुनः जिनालय लौटी, जहां विधि-विधान से भगवान का अभिषेक किया गया।

प्रथम स्वर्ण कलश से अभिषेक का लाभ राहुल वैदिक सोगानी परिवार और द्वितीय स्वर्ण कलश का लाभ अश्विन रुचि कसलीवाल परिवार ने लिया। वहीं, प्रथम रजत कलश का लाभ अवि कुमार प्रखर गंगवाल परिवार एवं द्वितीय रजत कलश का लाभ अनुभव राकेश कुम्भराज परिवार को प्राप्त हुआ। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कलशाभिषेक के बाद सकल समाज ने भगवान से प्रार्थना की और इसके पश्चात सभी ने एक-दूसरे से क्षमा याचना कर पर्व मनाया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए ट्रस्ट सचिव अनिल गंगवाल ने भी ट्रस्ट मंडल की ओर से सम्पूर्ण समाज से क्षमा मांगी।

4 अक्टूबर को हृदय रोग एवं सुपर स्पेशलिटी परामर्श शिविर

माधव सेवा न्यास, उज्जैन एवं एपीक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, अहमदाबाद का संयुक्त आयोजन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

माधव सेवा न्यास, उज्जैन एवं एपीक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, अहमदाबाद के संयुक्त आयोजन में 4 अक्टूबर 2026, रविवार को हृदय रोग परीक्षण एवं सुपर स्पेशलिटी परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक नीलगंगा चौराहा स्थित लोकमान्य तिलक विद्यालय में होगा।

शिविर में हृदय रोग, हड्डी, कैंसर, स्त्री रोग, किडनी एवं डायबिटीज सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को परामर्श देंगे। आयोजन में कार्डियक सर्जन डॉ. अनिल जैन के साथ कार्डियक सर्जन डॉ. अपूर्व पटेल,



डॉ. कुणाल जैन एवं डॉ. निखुंज शेखड़ा, हड्डियों के शल्य चिकित्सक डॉ. पार्थ पारिख, कार्डियक/जनरल फिजिशियन डॉ. राजेंद्र बुखर सहित अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।

इसके अलावा कैंसर सर्जन डॉ. भाविन वडोदेरिया, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चेतसी शाह, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. राज मंडोत और डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. रिमित शाह मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श देंगे। आयोजकों के अनुसार हृदय रोग विशेषज्ञ टीम पिछले 25 वर्षों से सेवाएं दे रही है और 40 हजार सफल ऑपरेशन का अनुभव होने का दावा किया गया है। शिविर में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, इको-कार्डियोग्राफी, पेसमेकर, वाल्व सर्जरी, बाईपास सर्जरी, स्टेंट, एक्स-रे एवं पीईटी-सीटी जैसी जांच या उपचार करा चुके मरीजों को अपनी पुरानी रिपोर्ट साथ लाने की सलाह दी गई है। पंजीयन शुल्क 50 रुपये रखा गया है।

आयोजकों ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों के लिए फ्रेश ईसीजी, लिपिड प्रोफाइल, सीबीसी, छाती का एक्स-रे और ईको जैसी जांच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। साथ ही डायबिटीज जांच एवं हृदय रोग की दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराने की जानकारी भी पोस्टर में दी गई है। शिविर में आने वाले मरीजों से पूर्व पंजीयन कराने की अपील की गई है। पंजीयन एवं जानकारी के लिए 8965003636 और 7000756700 नंबर जारी किए गए हैं। आयोजन में लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास, उज्जैन सहयोगी संस्था के रूप में शामिल है।

भोपाल में करंट से भाजपा नेता की मौत

डिवाइडर पर पोल पकड़ते ही लगा झटका शॉपिंग करने पहुंचे थे; महिला भी चपेट में



हादसे में जिला महामंत्री दिव्यऋषि तिवारी की मौत हो गई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

भोपाल के एमपी नगर इलाके में रविवार रात सड़क किनारे बिजली के पोल में करंट आने से भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री दिव्यऋषि तिवारी की मौत हो गई। हादसा रात करीब 9 बजे हुआ। वे शॉपिंग करने पहुंचे थे।

प्रत्यक्षदर्शी हेड कॉन्स्टेबल जगदीश दांगी के मुताबिक, दिव्यऋषि सड़क पार करने के लिए डिवाइडर पर चढ़कर दूसरी तरफ जाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने सहारे के लिए सड़क किनारे लगे पोल को एक हाथ से पकड़ लिया।

दूसरे हाथ से दीवार पकड़ने की कोशिश के दौरान पोल में करंट होने से उन्हें जोरदार झटका लगा। हादसे में एक महिला भी करंट की चपेट में आ गई। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने दोनों को संभाला। करंट लगने के बाद दिव्यऋषि मौके पर गिर गए। वहां मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने तुरंत बचाव शुरू किया। उन्हें सीपीआर दिया गया। इसके बाद उपचार के लिए एम्स ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी पुलिसकर्मी के मुताबिक, यह पोल मेट्रो प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य के दौरान लगाया गया था। पोल के पास तार खुला होने की बात भी सामने आई है।

157 सड़कों पर बारिश से हुए गड्ढे, 3 साल की गारंटी देकर मुकरे ठेकेदार



ब्रह्मास्त्र ▸▸ ग्वालियर

खराब हुई डामर की गारंटी पीरियड की सड़कों को गड्ढे भरने के लिए ठेकेदार मैदान में नहीं आए। नतीजा गड्ढों में जनता गिरती रही। जनता से लेकर जनप्रतिनिधि गड्ढों को भरने के लिए मांग-प्रदर्शन करते रहे।

अब नगर निगम के पैच रिपेयरिंग अमला ठेकेदार की सड़कों के गड्ढों से उभरे दागों को छिपाने के लिए नवीन तकनीक से गड्ढों को भर रहा है। जबकि ये जिम्मेदारी ठेकेदार की है। नगरीय क्षेत्र के 66 वार्डों में गारंटी पीरियड की 157 सड़कें है। इनमें सबसे ज्यादा ग्वालियर पूर्व की 98 सड़कें सामने आई है। ये तीन साल की गारंटी की अवधि में है, लेकिन बारिश में सड़कों में जगह-जगह हुए गड्ढे नहीं भरे गए। निगम पर बोझ, ठेकेदार भरते तो पैसा बचता निगम ने गारंटी पीरियड सड़के बनाने के लिए अतिरिक्त रुपए खर्च किए। जब सड़कें खराब हुई निगम के जनकार्य विभाग के अफसरों की ढील के कारण ठेकेदारों ने पैच रिपेयरिंग नहीं कराई। इसी का परिणाम है कि सड़कों के गड्ढे भरने के लिए निगम 1692 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से कंपनी को भुगतान तक किया। जबकि यह भार ठेकेदारों को ही उठाना है। पैच रिपेयरिंग कर ठेकेदार के दाग छिपा रहे हैं अफसर ये रोड के गड्ढे निगम ने खुद भरे... निगम की टीम ने गारंटी पीरियड वाली सड़कों के गड्ढे खुद भरे। इनमें जमुनाबाग नर्सरी, बैजाताल, एसकेवी, सहित रोशनी घर सड़क जो गारंटी पीरियड में उसके भी गड्ढों को नवीन तकनीक से निगम ने भरे।

पुल पर खाद भरा ट्रक रेलिंग तोड़ हवा में लटकाःउज्जैन-जावरा हाईवे पर आगे के पहिए टूटे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नागदा

उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे पर नागदा के पास चंबल नदी के बड़े पुल पर रविवार रात एक बड़ा हादसा होने से टल गया। फर्टिलाइजर (खाद) से भरा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे पुल की रेलिंग से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक के आगे के पहिए टूटकर अलग हो गए और गाड़ी का अगला हिस्सा रेलिंग तोड़ते हुए हवा में झूल गया। हादसे के समय पुल पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा होने से बच गया।



आशंका जताई जा रही है कि चलती गाड़ी की कमानी टूटने की वजह से ट्रक बेकाबू हो गया था। हादसे के तुरंत बाद चालक ट्रक को वहीं छोड़कर मौके से भाग निकला, जिसकी वजह से यह साफ नहीं हो पाया है कि खाद से भरा यह ट्रक कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था। ट्रक के पहिए अलग हो जाने की वजह से उसे तुरंत रास्ते से हटाना मुमकिन नहीं हो सका। चंबल पुल सिंगल रोड होने के कारण सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और भारी जाम लग गया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को धीरे-धीरे चालू करवाया। फिलहाल पुलिस फरार ड्राइवर और ट्रक मालिक की तलाश कर रही है।

चांदी की पालकी में विराजे श्री आदिनाथ प्रभु, भक्तिभाव से निकली भव्य चैत्य परिपाटी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्री आदेश्वर-चन्द्रप्रभुजी श्वेतांबर मूर्तिपूजक चारथुई धार्मिक एवं परमार्थिक न्यास नयापुरा के तत्वावधान में ऐतिहासिक चैत्य परिपाटी और भावयात्रा निकाली गई। नयापुरा स्थित श्री चन्द्रप्रभु जिनालय से शुरू हुई इस यात्रा में श्रद्धालु भगवान आदिनाथ को चांदी की पालकी में विराजित कर पैदल श्री केसरियानाथ मणिभद्र यक्षराज तीर्थधाम भैरवगढ़ पहुंचे। रास्तेभर युवा श्रद्धालु प्रभु के जयकारे लगाते हुए भक्ति में झूमते नजर आए।

ट्रस्ट के मीडिया प्रमुख विकास कोठारी और प्रदीप दख ने बताया कि यह आयोजन परम पूज्य मनोहर-इंदु तीर्थ गुणरत्ना श्रीजी म.सा. की शिष्या व परम पूज्य साध्वी श्री जितेशरत्नाश्रीजी म.सा. की शिष्या परम पूज्य साध्वी श्री तारणरत्नाश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री साध्यरत्नाश्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में संपन्न हुआ। श्री मणिभद्र नवयुवक भक्त मंडल के युवाओं ने धार्मिक वेशभूषा और मुकुट धारण कर भगवान की पालकी को कंधों पर उठाया। नयापुरा के प्रमुख मार्गों से विभिन्न जिनालयों के दर्शन करते हुए यात्रा भैरवगढ़ पहुंची। यहां भगवान का विधि-विधान से पूजन और अभिषेक किया गया।

साध्वी भगवंतों ने दिया संयम व समर्पण का संदेश

तीर्थधाम पर साध्वी भगवंतों के सान्निध्य में धर्मसभा आयोजित हुई, जिसमें उन्होंने धर्म, भक्ति, संयम और जिनशासन के प्रति समर्पण का संदेश दिया। धर्मसभा को ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाषजी दुग्गड़, कमलजी पिछोलिया और अभयजी मेहता ने संबोधित किया तथा संचालन संतोषजी भड़क्तिया ने किया।

लव मैरिज के 24 दिन बाद मोबाइल तोड़ा; झांसी में घर में बंद रखता था

मां बोली- बेटी के हत्यारे दामाद को फांसी हो, बहन बोली- हत्या से पहले दीदी-जीजा का झगड़ा हुआ था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ झांसी

मेरी बेटी शिवानी यश ठाकुर से सच्ची मोहब्बत करती थी। एक दिन उसने मुझे इस रिश्ते के बारे में बताया और शादी का प्रस्ताव रखा। दोनों परिवार राजी हो गए। करीब डेढ़ साल पहले दोनों ने लव मैरिज कर ली। लेकिन, कुछ दिनों बाद ही दामाद यश बेटी पर शक करने लगा। उसे पीटने लगा।

उसने शादी के महज 24 दिन बाद ही बेटी का मोबाइल तोड़ दिया। हम यही सोचते रहे कि बेटी का घर बस जाए, लेकिन यश की हरकतें नहीं सुधरी। आए दिन झगड़ा और मारपीट से परेशान होकर बेटी 3 महीने पहले झांसी आकर रहने लगी। यश भी यहां आता था। 30 अगस्त की रात उसने मेरी बेटी की गला घोटकर हत्या कर दी। हमें अपनी बेटी के लिए इंसाफ चाहिए। जैसे मेरी बेटी को मारा गया, उसी तरह यश ठाकुर भी लटकाया जाए। उसे फांसी की सजा होनी चाहिए। इसके लिए हम लड़ाई लड़ेंगे।

यह कहना है रेखा वंशकार का, जिनकी बेटी सुधा उर्फ शिवानी (27) की झांसी में



रात में बैग मांगा, फिर बाहर से कुंडी लगा दी

मुस्कान ने बताया- रात करीब 1:30 से 2 बजे के बीच यश ने मेरा दरवाजा खटखटाया और अपना बैग मांगा। इसके बाद यश ने मेरे कमरे की चुपके से बाहर से कुंडी लगा दी। सुबह करीब 5 बजे मैंने बाथरूम जाने के लिए कमरे का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं खुला। करीब आधे घंटे तक मैंने दीदी और जीजा को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं आया।

हत्या कर दी गई थी। शुक्रवार (25 सितंबर) देर रात पुलिस ने पैर में गोली मारकर यश ठाकुर को गिरफ्तार किया। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम था। मामला शहर के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है।

शिवानी की बहन मुस्कान ने बताया- शक और मारपीट से परेशान होकर दीदी शिवानी ने झांसी में आवास विकास फौजी तिराहे के पास किराए पर कमरा ले लिया। मैं और भाई अनिकेत भी उनके साथ रहने लगे। जबकि, पिता और छोटा भाई कपिल गांव में रहते थे। यश कभी-कभी झांसी आता था। रक्षाबंधन से एक दिन पहले शिवानी भाई कपिल को लेकर ग्वालियर गई थी। 2 दिन बाद वह यश के साथ झांसी लौट आई, जबकि कपिल गांव चला गया। मुस्कान ने बताया- 30 अगस्त की रात दीदी और जीजा यश के बीच झगड़ा हुआ था। यश परिवार को लेकर आपत्तिजनक बातें कर रहा था। उसने दीदी शिवानी से कहा कि वह मेरे साथ सोकर आया है।

पढ़ाई के समय यश से शिवानी की दोस्ती हुई थी

शिवानी मध्यप्रदेश के दतिया जिले के इंदरगढ़ की रहने वाली थी। उसके पिता संतराम वंशकार फलों की फेरी लगाते हैं। मां रेखा दिल्ली में घरों में काम करती हैं। शिवानी 6 भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। पढ़ाई के बाद वह घर पर ही रहती थी। उससे छोटी बहनें प्रीति और नेहा की शादी हो चुकी है। घर में एक बहन मुस्कान (18), दो भाई अनिकेत (17) और कपिल (14) हैं। मां रेखा ने बताया- मेरी बेटी मुस्कान ग्वालियर में रहकर पढ़ती थी। उसी के साथ शिवानी रहती थी। इस दौरान शिवानी की यश ठाकुर से जान पहचान हो गई। दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे। डेढ़ साल पहले दोनों ने लव मैरिज कर ली। शादी के बाद बेटी अपने ससुराल ग्वालियर में रहने लगी। यश कपड़ों की दुकान पर काम करता था।

मां बोली- दलित होने के ताने मारते थे

मां ने बताया- एक साल पहले यश ने बेटी को हॉकी से पीटा था। मैं बेटी को घर लाने लगी, तो यश ने बंदूक तान दी। कहने लगा कि अगर शिवानी घर से बाहर निकली तो उसे मार दूंगा और खुद भी मर जाऊंगा। हमने सोचा कि बेटी का घर बर्बाद न हो, इसलिए हम लोग वापस आ गए। शादी के पहले यश और उसके परिवार को पता था कि हम लोग दलित समाज से आते हैं। लेकिन, शादी के बाद यश और उसकी मां ताने मारने लगी। अपने बेटे से कहती थी कि इसे छोड़ दो। छोटी जाति की लड़की से शादी कर ली।

बेटी को दहेज के लिए भी ताने मारे जाते थे। शादी में हमने अपनी हैसियत के अनुसार सामान दिया था। लेकिन, कई बार दहेज भी मांगा गया।

नेशनल अवॉर्ड में तिलक लगाने पर ममूटी की आलोचना

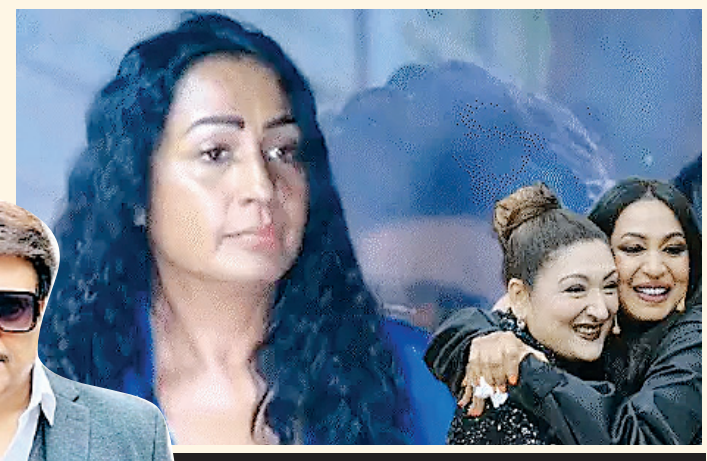


गुजरात में आयोजित नेशनल अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर ममूटी का तिलक लगाकर पारंपरिक स्वागत किया गया।

मुस्लिम होकर माथे पर तिलक लगवाने को लेकर सोशल मीडिया पर ममूटी की तीखी आलोचना की जा रही है। कई यूजर्स इसे इस्लाम का अपमान और धर्म के खिलाफ बता रहे हैं। इस विवाद पर मलयालम एक्टर और फिल्ममेकर हरिश्री यूसुफ ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर ट्रोलर्स को जवाब दिया है। हरिश्री ने कहा कि तिलक लगाना अतिथियों के स्वागत की भारतीय परंपरा है और धर्म का मकसद इंसानों को बेहतर बनाना है, न कि आपस में लड़ाना। ममूटी को हाल ही में फिल्म 'भ्रमयुगम' के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है। गुजरात यात्रा के दौरान उनके स्वागत में माथे पर तिलक लगाया गया था। इसका वीडियो सामने आने के बाद एक्स और इंस्टाग्राम पर कुछ यूजर्स ममूटी की आलोचना करने लगे। अब्बास नाम के एक यूजर समेत कई लोगों ने लिखा कि मुस्लिम होकर माथे पर तिलक लगाना इस्लाम के खिलाफ है और इससे धर्म का अपमान हुआ है। हालांकि कई प्रशंसकों ने ममूटी का बचाव करते हुए इसे सिर्फ एक सांस्कृतिक स्वागत बताया।

गोविंदा विवाद में कश्मीरा ने रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल को घेरा

सुनीता के सपोर्ट में कहा- को-स्टार को पर्सनल बातें कैसे पता





बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और उनकी कथित गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार के बीच विवाद गहराता जा रहा है। कोमल की ओर से सुनीता पर अपने ही पति को मारने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाने के बाद अब गोविंदा की भांजी कश्मीरा शाह मामी सुनीता के समर्थन में उतर आई हैं।

कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए कोमल पर निशाना साधते हुए कहा कि काम की जगह किसी को-स्टार को इतनी निजी बातें पता नहीं होती हैं।

उन्होंने सुनीता को एक मजबूत महिला बताते हुए हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने की बात कही है। कश्मीरा शाह ने लिखा कि अपने 30 साल के करियर और 50 फिल्मों के अनुभव में किसी को-स्टार को उनकी निजी जिंदगी या भावनाओं की जानकारी नहीं रही।

उन्होंने सिर्फ अपने पति कृष्णा से ही अपनी बातें शेयर की हैं। कश्मीरा ने सवाल उठाया कि काम करने की जगह ऐसा कोई रिश्ता उन्होंने कभी नहीं देखा, जहां किसी को-स्टार को इतनी पर्सनल बातें पता हों।

कोमल रानी के आरोपों का जवाब देते हुए कश्मीरा ने लिखा कि अपने परिवार का ध्यान रखने वाली महिलाओं को अक्सर घमंडी, हावी होने वाली या मतलबी कह दिया जाता है। लेकिन यह पहली बार है जब किसी को 'कातिल' कहा जा रहा है।

कश्मीरा ने कहा कि अगर अपनों की सुरक्षा करने वाली मां, पत्नी या बहन को कातिल कहा जाता है, तो उन्हें इस पर गर्व

कोमल रानी ने सुनीता पर लगाए थे गंभीर आरोप

पति गोविंदा पर धोखा देने और कोमल रानी से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर लगा रहीं सुनीता ने हाल ही में कोलकाता के दक्षिणेश्वर काली मंदिर में कहा है कि जो औरत उनका घर तोड़ रही है, माता रानी उसे देखें। इस पर कोमल ने कहा है कि जो औरत पति को मारने की कोशिश कर रही है उसकी बद्दुआ किसी को नहीं लगती। साथ ही कोमल ने चेतावनी दी है कि सुनीता उनके नाम का इस्तेमाल न करें। कोमल रानी ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से सुनीता के बयान पर पलटवार कर लिखा, जो औरत सालों से अपने ही पति को मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बद्दुआएं किसी को नहीं लगतीं।

आलिया भट्ट-विक्की कौशल ने साथ में किया रैंप वॉक



फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के मिजवान शो में आलिया भट्ट और विक्की कौशल शोस्टॉपर बने। यह शो शनिवार को मुंबई में हुआ।

मनीष मल्होत्रा ने अपना नया मिजवान कलेक्शन पेश किया। यह कलेक्शन मिजवान वेलफेयर सोसाइटी के साथ 15 साल के जुड़ाव को समर्पित है। शो के अंत में स्टेज पर आलिया और विक्की के साथ मनीष मल्होत्रा और शबाना आजमी भी आए। इस दौरान आलिया के साथ एक छोटा-सा वाकया हुआ।

रैंप पर चलते समय आलिया को अपना पल्लू संभालना पड़ा। इस दौरान शायद किसी का पैर गलती से उनके ही पल्लू पर चढ़ गया। हालांकि, आलिया का संतुलन नहीं बिगड़ा और वह बिना किसी परेशानी के अपनी रैंप वॉक पूरी करती नजर आईं।

आलिया भट्ट ने रिया कपूर की कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं। इस सूचना से वहां मौजूद कलाकार और युवा हैरान रह गए। विशाल के मुताबिक, पीएम मोदी ने वहां पहुंचकर खुद युवाओं के बीच बैठकर हाथ से मंजीरे जैसा वाद्ययंत्र बजाया और कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

नई दिल्ली में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। कार्यक्रम में फिल्म हनुमान अंशह्न के सिंगर साधु तिवारी ने जब जिद पर आ गई पार्वती भजन पेश किया। इस दौरान मोदी खंजरी बजाते नजर आए। कार्यक्रम दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित किया गया था। सामने आए वीडियो और तस्वीरों में पीएम मोदी भजन सुनते और खंजरी बजाकर ताल देते दिखाई दिए।

रैंप वॉक में आलिया भट्ट और विक्की कौशल ने किया कमाल

फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के मिजवान शो में आलिया भट्ट और विक्की कौशल शोस्टॉपर बने। यह शो शनिवार को मुंबई में हुआ।

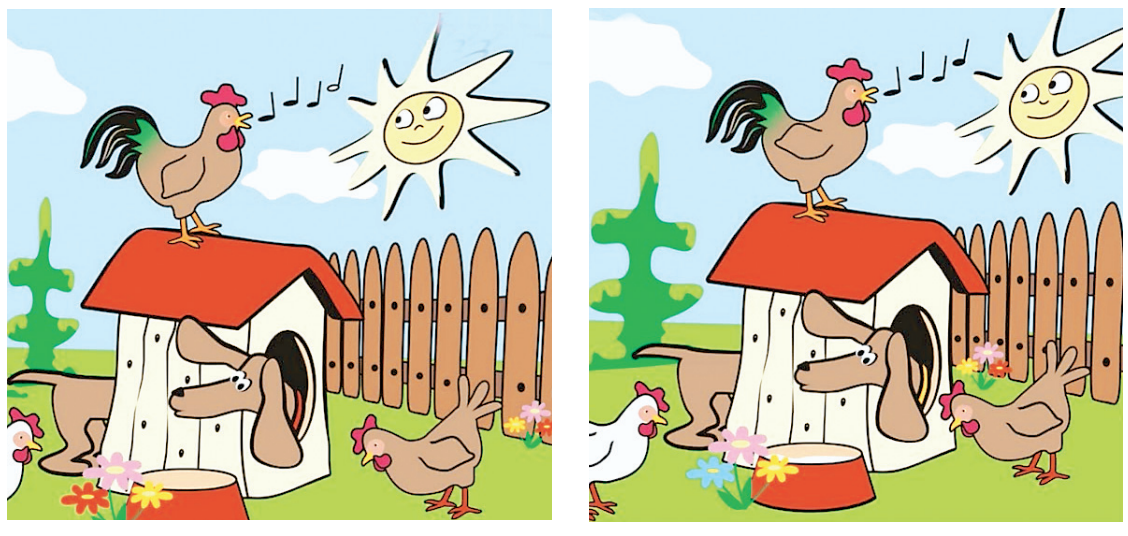
मनीष मल्होत्रा ने अपना नया मिजवान कलेक्शन पेश किया। यह कलेक्शन मिजवान वेलफेयर सोसाइटी के साथ 15 साल के जुड़ाव को समर्पित है। शो के अंत में स्टेज पर आलिया और विक्की के साथ मनीष मल्होत्रा और शबाना आजमी भी आए। इस दौरान आलिया के साथ एक छोटा-सा वाकया हुआ।

रैंप पर चलते समय आलिया को अपना पल्लू संभालना पड़ा। इस दौरान शायद किसी का पैर गलती से उनके ही पल्लू पर चढ़ गया। हालांकि, आलिया का संतुलन नहीं बिगड़ा और वह बिना किसी परेशानी के अपनी रैंप वॉक पूरी करती नजर आईं।

आलिया भट्ट ने रिया कपूर की कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं। इस सूचना से वहां मौजूद कलाकार और युवा हैरान रह गए। विशाल के मुताबिक, पीएम मोदी ने वहां पहुंचकर खुद युवाओं के बीच बैठकर हाथ से मंजीरे जैसा वाद्ययंत्र बजाया और कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

नई दिल्ली में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। कार्यक्रम में फिल्म हनुमान अंशह्न के सिंगर साधु तिवारी ने जब जिद पर आ गई पार्वती भजन पेश किया। इस दौरान मोदी खंजरी बजाते नजर आए। कार्यक्रम दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित किया गया था। सामने आए वीडियो और तस्वीरों में पीएम मोदी भजन सुनते और खंजरी बजाकर ताल देते दिखाई दिए।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



रंग भरकर चित्र बनाओ



जोक्स

टीचरः कौन सी जाति के लोग अच्छे नागरिक होते हैं ?
छात्रः बनिए !
टीचरः वो कैसे ?
छात्रः क्योंकि सर हर जगह लिखा होता है देश के अच्छे नागरिक बनिए।

मास्टर जीः सबसे ज्यादा नशा किसमें होता है?
छात्रः किताब में
मास्टर जीः कैसे?
छात्रः क्योंकि किताब खोलते ही नींद आ जाती है ??

माथा पच्ची

50		22		63		20	=	29
	■		■		■		■	
22		2		20		2	=	80
	■		■		■		■	
25		3		70		50	=	55
	■		■		■		■	
40		30		35		15	=	20
=	■	=		=	■	=	■	=
43		17		48		57	=	14/69

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

ए	म	ना	डॉ.	व	गे	व्द	सिं	ह	क	धि
हा	ग	सू.	ह	म	ल	जी	स	ल	व	ज
सु	धी	जो	द	अं	को	त	र	य	ल	टी.
कु	र	दा	पा	ल	क	ह	ना	ह	य	ए
मा	जे.	न	ष	ठ	म	मी	र	म्म	सी	त.
र	मी	ए	स	जि	स्था	क	प	सिं	गु	कृ
से	ह	बु	म.	टी	म	मी	टे	बी.	ह	ष्म
न	पू.	सु	पा	सिं	पं.	री	ल	बी.	ना	मू.
मों	रे	क	सू.	ह	ग	बे	से	टं	न	सिं
आ	र.	के.	त्रि	वे	दी	दो	ह	ड	क	व
टी.	ए	म	से	प	म	इ	ह	म	ह	धी

शब्दजाल में 'भारत के प्रमुख 10 चुनाव आयुक्तों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

सुकुमार सेन, डॉ. नगेन्द्रसिंह, टी. स्वामीनाथन, टी.एन. शेषन, मनोहरसिंह, टी.एस. कृष्णमूर्ति, बी.बी.टंडन, एन. गोपालस्वामी, जे.एम. लिंगदोह, आर. के. त्रिवेदी

अष्टयोग

1			4	5		
2	25		32	4	36	2
7		1	6			
	34	6	31	6	33	5
	5		3			1
	37	5	31		30	3
	5		6	1		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

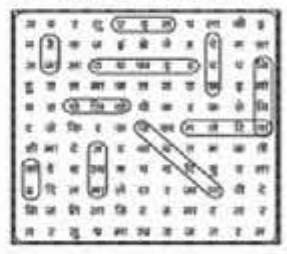
माथा पच्ची का हल

39	+	56	-	2	-	35	=	58
-	■	+	■	x	■	-	■	-
31	-	20	+	14	+	32	=	57
+	■	+	■	-	■	+	■	x
40	x	2	-	20	-	30	=	30
-	■	+	■	+	■	-	■	-
30	+	5	x	5	-	15	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
18	+	43	-	13	-	18	=	43/24

अष्टयोग का हल

7	5	1	3	4	2	6
5	30	3	21	1	35	7
1	6	2	4	3	7	5
2	29	6	40	7	34	3
4	3	5	7	6	1	2
6	33	4	42	5	26	1
3	1	7	6	2	5	4

शब्दजाल का हल



भजन क्लबिंग में अचानक पहुंचे थे पीएम मोदी

'हनुमान अंश' के डायरेक्टर विशाल बोले- हमारे लिए सरप्राइज था

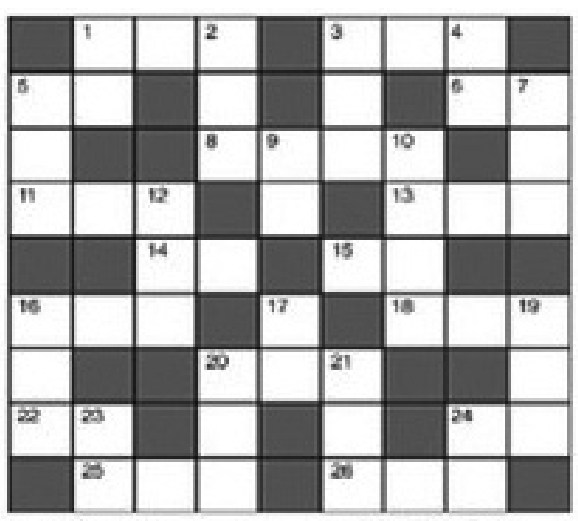


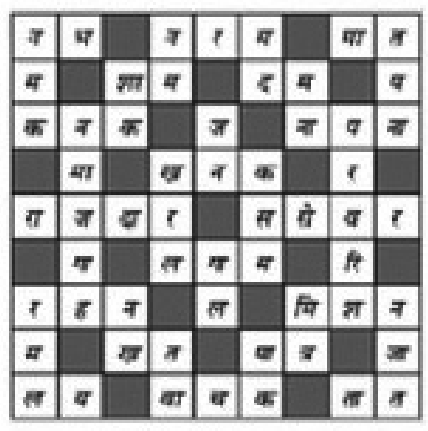
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में युवाओं के 'भजन क्लबिंग' कार्यक्रम में शामिल होने अचानक पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में परफॉर्म करने पहुंचे फिल्म 'हनुमान अंश' के डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी ने समाचार एजेंसी अठकसे बातचीत में बताया कि पीएम मोदी का आना उनके लिए एक बड़ा सरप्राइज था।

वे वहां हनुमान चालीसा और भजन गाने गए थे। अचानक पीएम मोदी के वहां पहुंचने और युवाओं के बीच बैठकर वाद्ययंत्र बजाते देखने का अनुभव उनके लिए बेहद खास रहा। विशाल चतुर्वेदी ने बताया कि यह भजन क्लबिंग का एक सामान्य कार्यक्रम था। वे अपनी टीम के साथ 'पार्वती', 'हनुमान चालीसा' और 'हृदय में जिनके सीताराम' जैसे भजन परफॉर्म करने पहुंचे थे।

तभी अचानक खबर मिली कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस

वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक, ऊंचाई-2
6. नलका, टूटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण-3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

सूडोकू नवताल

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

रिपोर्ट- अस्पताल के मलबे से मिले थे मुजतबा खामेनेई

जहां भर्ती थे अमेरिका ने वहीं हमला किया; खुद को पता नहीं था सुप्रीम लीडर बन गए



ब्रह्मास्त्र ▸▸ ईरान

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई को अमेरिकी हमले के बाद अस्पताल के मलबे से निकाया गया था। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क पोस्ट ने ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसेन हैदरी के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के शुरूआती हमले में मुजतबा घायल हो गए थे। इसके बाद उन्हें तेहरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद अमेरिका ने इस अस्पताल पर भी हमला कर दिया।

हैदरी के मुताबिक खामेनेई को अस्पताल के मलबे से निकालकर अज्ञात जगह ले जाया गया। तब से खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए। हालांकि 8 अगस्त को एक वीडियो सामने आया था जिसमें वे लोगों से बात करते हुए दिखाई दिए थे। इतना ही नहीं, रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम



लीडर चुने जाने की जानकारी भी उन्हें खुद नहीं थी। ईरानी टीवी पर घोषणा होने के बाद उन्हें अपने सुप्रीम लीडर बनने की खबर मिली।

चुनाव के दौरान असेंबली पर भी हमले का दावा

ईरान में सुप्रीम लीडर चुनने की जिम्मेदारी एक्सपर्ट्स असेंबली की होती है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, हमलों के दौरान इस संस्था के कोम स्थित सचिवालय को भी निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बमबारी में 8 लोगों की मौत हुई और नए सुप्रीम लीडर के चयन से जुड़े दस्तावेज नष्ट हो गए। इसके बाद असेंबली के सदस्यों ने कागज पर वोट लिखे और एक गुप्त कमरे में जाकर चुनाव की प्रक्रिया पूरी की।

हैदरी ने कहा कि मुजतबा खामेनेई का नाम सबसे पहले उन्होंने ही प्रस्तावित किया था। उनके मुताबिक, असेंबली को जानकारी मिली थी कि मुजतबा सुरक्षित हैं और नेतृत्व संभाल सकते हैं। इसलिए उन्हें नया सुप्रीम लीडर चुना गया।

मुजतबा के पक्ष में 50 सदस्यों ने वोट किया था

न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, 59 में से 50 सदस्यों ने मुजतबा के पक्ष में वोट दिया। अयातुल्ला अलीरेजा अराफी को 8 वोट मिले, जबकि एक सदस्य ने मतदान नहीं किया। हैदरी ने मुजतबा खामेनेई को परदे के पीछे रहने वाला व्यक्ति बताया। सुप्रीम लीडर बनने से पहले उन्होंने कोई बड़ा सरकारी या राजनीतिक पद नहीं संभाला था। इसके बावजूद उनके पिता के कार्यालय, क्लिक्ष्ट और सुरक्षा तंत्र में मजबूत संपर्क माने जाते थे। उन्होंने ईरान-इराक युद्ध के आखिरी दौर में क्लिक्ष्ट में सेवा की थी। 2009 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान भी उनका नाम सत्ता के भीतर प्रभाव रखने वाले नेताओं में सामने आया था। अमेरिका ने 2019 में उन पर प्रतिबंध लगाया था।

मुजतबा की हालत को लेकर अलग-अलग दावे

मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर कई तरह के दावे सामने आते रहे हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, कुछ अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि हमलों में उनका चेहरा बुरी तरह घायल हो गया था।

पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें नहीं लगता कि मुजतबा की मौत हुई है। ट्रम्प के मुताबिक, उनके शरीर के बाएं हिस्से, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। वहीं, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इसी हफ्ते फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि मुजतबा पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने बताया कि पिछले महीने उनकी मुजतबा के साथ करीब 7 घंटे लंबी मुलाकात हुई थी।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री बोले- तालिबान से दोस्ती गलती थी

अब नतीजा भुगत रहे, महिला पत्रकार को गला काटने का इशारा कर कहा- वहां ऐसे मत जाना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि तालिबान से दोस्ती करना पाकिस्तान की बहुत बड़ी गलती थी। पाकिस्तान अब उसका नतीजा भुगत रहा है। न्यूयॉर्क में एक अफगान महिला पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह कहा।

महिला पत्रकार ने ख्वाजा आसिफ से पूछा था कि अफगान महिलाओं को लेकर तालिबान की नीतियों पर आपका क्या संदेश है? पाकिस्तान ने शुरूआत में ही तालिबान को महिलाओं के अधिकारों के बारे में क्यों नहीं समझाया। इसके जवाब में आसिफ ने उसके कपड़ों की ओर इशारा किया और फिर गला कटने का इशारा करते हुए कहा- ह्यवहां ऐसे मत जाना।ह्ल पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का गला काटने का इशारा और तालिबान के साथ दोस्ती को गलती बताने का वीडियो वायरल है। कुछ लोग गंभीर सवालों का जवाब हंसी मजाक में देने को लेकर भी पाक रक्षा मंत्री की आलोचना कर रहे हैं।

आसिफ ने अपने हाथों से इशारा करते हुए महिला पत्रकार को अफगानिस्तान लौटने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी। तनावपूर्ण माहौल में पाक मंत्री और उनके साथ मौजूद



लोगों के इस तरह हंसने और धमकी भरे व्यवहार को सोशल मीडिया यूजर्स बेहद शर्मनाक बता रहे हैं। अफगान महिलाओं की पीड़ा के बारे में पूछने वाली महिला जवाब की हकदार थी, न कि धमकी, उपहास और हंसी की। बता दें कि यह घटना पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच नए सिरे से बढ़े तनाव के बीच हुई है, जिसमें इस्लामाबाद ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान के अंदर हवाई और ड्रोन हमले किए।

पाकिस्तान तालिबान से दोस्ती को गलती क्यों बता रहा?

2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने पर पाकिस्तान ने उसे अपने लिए फायदेमंद माना था। लेकिन बाद में दोनों देशों के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए। पाकिस्तान का आरोप है कि ळळढ के लड़ाके अफगानिस्तान में ठिकाने बनाकर पाकिस्तान में हमले करते हैं। तालिबान इन आरोपों से इनकार करता है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच डूरंड लाइन को लेकर भी पुराना विवाद है। सीमा पर बाड़ लगाने, चौकियां बनाने और आवाजाही को लेकर कई बार दोनों तरफ के सैनिकों में झड़पें हुई हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान में 10 जगहों पर हवाई और ड्रोन हमले किए थे। पाकिस्तान का कहना है कि ये हमले एक दिन पहले अफगानिस्तान से भेजे गए ड्रोन के जवाब में किए गए। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा कि जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, वहां ड्रोन रखे और लॉन्च किए जाते थे। उनके मुताबिक, कार्रवाई सिर्फ उन ठिकानों तक सीमित थी, जिनका पाकिस्तान पर हुए हमलों से संबंध था।

महिला पत्रकार ने क्या पूछा?

यह घटना न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान घटी। वीडियो में साफ तौर पर दिख रहा है कि पत्रकार ने आसिफ से पूछा कि अफगान महिलाओं के प्रति तालिबान की नीतियों को लेकर पाकिस्तान का क्या संदेश है क्या वे अफगान महिलाओं के प्रति अपनी नीति बदलें? जब तालिबान को मित्र माना जाता था तब पाकिस्तान ने उन नीतियों को चुनौती क्यों नहीं दी। सवाल का जवाब देने के बजाय पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ महिला पत्रकार को बीच में ही रोक दिया और उनके पहनावे की ओर इशारा करते हुए कहा, इस हालत में वापस वहां मत जाना, नहीं तो वे... वे... और इतना कहते हुए उन्होंने अपनी गर्दन पर हाथ से इशारा किया। जिसका मतलब था कि अगर वह अफगानिस्तान लौटीं तो उनको गला काटकर मारा जा सकता है।इस आपत्तिजनक इशारे की सोशल मीडिया पर कड़ी निंदा हो रही है। कई यूजर्स ने कहा कि यह इशारा सीधे तौर पर पत्रकार को अफगानिस्तान लौटने पर जान से मारने की धमकी जैसा प्रतीत होता है। लोगों ने आसिफ और उनके साथ मौजूद प्रतिनिधियों की भी जमकर आलोचना की, जो इस गंभीर और धमकी भरी टिप्पणी के बाद हंसते हुए नजर आ रहे थे। पर एक यूजर ने लिखा- ₹एक सीनियर सरकारी मंत्री द्वारा एक महिला द्वारा पूछे गए गंभीर प्रश्न का इस तरह से जवाब देना बेहद शर्मनाक है।

यमन के बाजार पर हवाई हमले में 7 की मौत, 40 घायल; 2 महीने में 700 लोग मारे

हमले में ताइज प्रांत के एक बाजार की दुकानों को निशाना बनाया गया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ यमन

यमन में रविवार को एक हवाई हमले में 7 लोगों की मौत हो गई है। हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इनमें बच्चे भी शामिल हैं। साथ ही, 40 लोग घायल हुए हैं।

हमले में ताइज प्रांत के एक बाजार की दुकानों को निशाना बनाया गया। रॉयटर्स के मुताबिक यमन की सरकार ने कहा कि उसकी सेना ने हूती सैन्य कैंप और वाहनों को निशाना बनाते हुए यह हमले किए। रॉयटर्स ने यमनी सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया कि हूती विद्रोहियों ने हाल ही में बाजार के पास एक सैन्य कैंप बनाया था। पिछले 2 महीने में फिर तेज हुए यमन संघर्ष में नागरिकों समेत 700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। साथ ही सितंबर की शुरूआत से अब तक यमन में 82 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। यमन सरकार की सेना ने शनिवार को कहा कि हूती विद्रोहियों ने सऊदी की राजधानी रियाद पर दो ड्रोन दागे थे। लेकिन उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने दोनों ड्रोन्स को रोक दिया।



2014 से चल रही है यमन में जंग

यमन में 2014 से गृहयुद्ध चल रहा है। एक तरफ हूती लड़ाके हैं और दूसरी तरफ यमन की सरकार के समर्थन में लड़ने वाली सेनाएं हैं। सऊदी अरब भी यमन की सरकार का समर्थन करता है। 2022 में वठ की कोशिश से दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में यह सीजफायर टूट गया। इसके बाद फिर मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमले होने लगे। यमन के पास बाब अल-मंदेब स्ट्रेट है। यहां से लाल सागर के रास्ते कई जहाज गुजरते हैं। इसलिए यहां लड़ाई बढ़ने का असर दूसरे देशों के कारोबार और जहाजों की आवाजाही पर भी पड़ सकता है।

50 जिले में इमरजेंसी घोषित

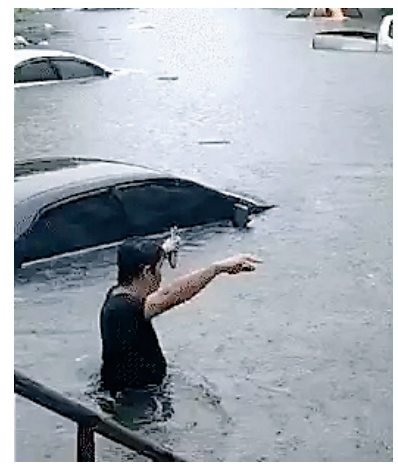
बैंकॉक में बाढ़- गाड़ियां डूबीं, बसों में भरा पानी: सड़कों पर सांप घूम रहे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ बैंकॉक

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भारी बारिश के बाद बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियां डूब गईं और बसों में भी पानी घुस गया। कई इलाकों में लोग कमर तक भरे पानी से गुजरने को मजबूर हैं। इस बीच, बाढ़ के पानी में सांप दिखाई देने की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए हैं। प्रशासन ने शहर के सभी 50 जिलों में इमरजेंसी घोषित की है। मौसम विभाग ने 27 सितंबर तक भारी बारिश की चेतावनी दी है।

बैंकॉक में बाढ़ का संकट बढ़ने पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल लंदन का दौरा बीच में छोड़कर देश लौट आए हैं। बाढ़ के कारण पूर्वी बैंकॉक के कई इलाकों में लोग घुटनों और कमर तक भरे पानी से गुजरते नजर आए। कुछ लोग पानी में फंसी मोटरसाइकिलों को धकेलते दिखे, जबकि कई सड़कों पर कारें आधी डूबी हुई थीं। जलभराव वाले इलाकों में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

कुछ दुकानों में जरूरी सामान की कमी भी सामने आई है। लोग खाने-पीने की चीजें खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से घबराने की जरूरत नहीं



होने की अपील की है। सोमवार को स्कूल बंद रखने का फैसला भी लिया गया है।

बैंकॉक प्रशासन के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 233 अस्थायी राहत शिविर बनाए गए हैं। इनमें करीब 4200 लोग शरण ले चुके हैं। प्रधानमंत्री अनुटिन चार्नविराकुल लंदन का दौरा बीच में छोड़कर बैंकॉक लौट आए हैं। थाईलैंड के आपदा रोकथाम और राहत विभाग के मुताबिक, शनिवार को देश के 21 प्रांतों में भी बाढ़ जैसे हालात है।

इजराइल ने हमास आतंकी को मार गिराया

7 अक्टूबर के हमले में इजराइली महिला को किडनैप कर जबरदस्ती गाजा ले गया था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इजराइल

इजराइल ने शनिवार को हवाई हमले में हमास आतंकी को मार गिराया है। इजराइली सेना ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आतंकी की पहचान साहेर निदाल लत्फी साकर के रूप में हुई है।

साकर ने 7 अक्टूबर 2023 को नोआ अर्गमानी और उनके साथी अविनातन ओर को नोवा म्यूजिक फेस्टिवल से किडनैप किया था। उसने दोनों को मोटरसाइकिल पर बैठाया और जबरदस्ती गाजा ले गया था। साकर गाजा में दुनियाभर में सक्रिय जिहादी संगठनों से जुड़ा था। युद्ध के दौरान वह हमास को हथियार पहुंचाता था। इसके अलावा इजराइली सैनिकों और आम नागरिकों पर हमलों की तैयारी में भी उसकी अहम भूमिका थी।

7 अक्टूबर 2023 को 25 साल की



नोआ अर्गमानी को हमास के लड़ाकों ने ट्राइब ऑफ नोवा ट्रान्स फेस्टिवल पर हमला करने के बाद उसके दोस्त से अलग करके किडनैप कर लिया था। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल में बॉर्डर एरिया पर एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान हमला किया था। इस हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे, जबकि 251 को बंधक बना लिया गया था। यह हमला इजराइल के लिए दशकों में सबसे गंभीर सुरक्षा घटनाओं में से एक था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया। देखते ही देखते यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया के लिए बड़े संकट में बदल गया। हमास ने इसे 'अल-अक्सा फ्लड' ऑपरेशन नाम दिया था। इसके जवाब में इजराइल ने कुछ घंटे बाद हमास के खिलाफ 'सोड्र्स ऑफ आयरन' ऑपरेशन शुरू किया था।

इजराइली सेना ने 2024 में नोआ का रेस्क्यू किया

25 साल की नोआ अर्गमानी को 8 जून 2024 को इजराइली सेना ने 'ऑपरेशन अर्नोन' के तहत गाजा से रेस्क्यू किया था। इस ऑपरेशन में नोआ के अलावा 7 अक्टूबर को किडनैप हुए इजराइली नागरिक आंद्रेई कोज्लोव, अल्मोग मीर जान और श्लोमी जिव को भी छुड़ाया गया था। वहीं, नोआ के साथी अविनातन ओर को अक्टूबर 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की गाजा डील के तहत रिहा किया गया था।

ट्रम्प ने ईरान का जंग खत्म करने का प्रस्ताव ठुकराया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान का युद्ध खत्म करने और होर्मुज खोलने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने शनिवार को कहा कि ईरान मुश्किल में है, इसलिए वह तुरंत होर्मुज खोलना चाहता है।

ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, क्योंकि वह बुरी तरह हार रहा है और उसके पास पैसा नहीं आ रहा। उन्होंने कहा कि ईरान की कमाई होर्मुज से होने वाले कारोबार पर निर्भर है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने इस समुद्री रास्ते पर सैन्य इतिहास की सबसे बड़ी नाकेबंदी की है, जो लोहे की दीवार जैसी है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि युद्ध का हल सिर्फ बातचीत से निकल सकता है। ईरान ने विदेश मंत्री अब्बास अराघची के जरिए कतर के जरिए अमेरिका को 7 दिन का रोडमैप भेजा था।

नेपाल में फिर से बाढ़-लैंडस्लाइड, 21 की मौत:घर-पुल बहे, हाईवे बंद

एक महीने पहले आई बाढ़ में 1453 मौतें, 5500 से ज्यादा लापता

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

नेपाल में लगातार बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन से हालात बिगड़ गए हैं। अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। बागलुंग जिले में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया। हादसे में एक महिला और उसके तीन बेटों की मौत हो गई। पाल्पा जिले में 2 लोग मारे गए हैं।

वहीं, बाढ़ और भूस्खलन से कई घर और पुल बह गए हैं। कई जगह हाईवे बंद होने से आवाजाही प्रभावित हुई है। बुटवल में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 1,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ में 1453 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5500 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। लगातार बारिश के कारण नेपाल की कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।





देवघाट में नारायणी नदी रविवार सुबह 7:45 बजे 11 मीटर पर बह रही थी। यह खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर है। अधिकारियों ने नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका जताई थी।

बुटवल में बाढ़ के खतरे को देखते हुए करीब 200 परिवारों को उनके घरों से हटाया गया। कई इलाकों में बाढ़ का पानी भरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। बाढ़ का असर बिजली उत्पादन पर भी पड़ा है। कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में बिजली उत्पादन रोकना पड़ा है। इनमें 140 मेगावाट का कालीगंडकी, 25 मेगावाट का अपर मादी, 44 मेगावाट का सुपर मादी, 20 मेगावाट का नामार्जुन मादी और 40 मेगावाट का सेती रिवर प्रोजेक्ट शामिल हैं।

220 किलोवोल्ट की कालीगंडकी कॉरिडोर ट्रांसमिशन लाइन के दो टावर गिर गए हैं। कई जगहों पर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइनों को भी नुकसान पहुंचा है। कई इलाकों में खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा है।

■ वर्ष-12 अंक-325 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल

मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

ज्ञातिभि र्वण्टयते नैव चोरेणापि न नीयते।
दाने नैव क्षयं याति विद्यारत्नं महाधनम्।।

भावार्थ : ज्ञान का रत्न एक महान धन है, जिसे विद्वान बांट नहीं सकते, जिसे चोर छीन नहीं सकते, और जिसका दान क्षय नहीं होता।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, सोमवासरः 28 सितम्बर, 2026

जलस्तरः वर्धते, पर्वतीयप्रदेशेषु भूस्खलनं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली

केषुचित् स्थानेषु अत्यन्तं प्रचण्डवृष्टिः भवति निरन्तरवृष्ट्या निम्नक्षेत्रेषु जलप्रवाहः, नद्यः, धारासु च जलस्तरः वर्धते, पर्वतीयप्रदेशेषु भूस्खलनं च भवितुम् अर्हति। विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र बन्द मौसमस्य स्थितिं दृष्ट्वा ओडिशा-नगरस्य अनेकजिल्हेषु प्रशासनेन सावधानतायाः उपायाः आरब्धाः। खुर्दा, गञ्जम, जगतसिंहपुर, गजपति इत्यादिषु विद्यालयाः बन्दाः भवन्तु इति आदेशाः जारीकृताः सन्ति। केषुचित् जिल्हेषु आंगनबाडीकेन्द्राणि बन्दं कर्तुं निर्णयः अपि कृतः अस्ति।

हर्तृ र्न गोचरं याति दत्ता भवति विस्तृता।
कल्पान्तेऽपि न या नश्येत् किमन्यद्विद्यया विना।।

भावार्थ : जो चोरों को दिखाई नहीं देता, जो देने से विस्तारित होता है, जो प्रलय के समय भी नष्ट नहीं होता है, ज्ञान के अलावा और क्या पदार्थ हो सकता है?

सम्पादकीयम्

तर्हि सः हिन्दुः नास्ति

यदि हिन्दुः मन्यते यत् भारते मुसलमानाः न भवेयुः, तर्हि सः हिन्दुः नास्ति–मोहनभागवतस्य कथनस्य महत्त्वं किम् न्यूयोर्कनगरे मोहनभागवतस्य सम्बोधने भारतस्य बहुलपरम्परायाः सह-अस्तित्वस्य च आवश्यकतां रेखांकितम् अस्ति। बहुसंख्यकत्वस्य अर्थः परस्य अधिकारस्य अस्वीकारः न भवति। विविधता भारतस्य बलं, संवादः च लोकतन्त्रस्य आधारः। प्रवासीनां सम्मानः, संवादस्य व्याप्तिः च निर्वाहः-असहमतेः मध्ये अपि-अद्यतनवैश्विकतनावस्य वातावरणे महत्त्वपूर्णः अस्ति। यदि हिन्दुः मन्यते यत् भारते मुसलमानाः न भवेयुः तर्हि सः हिन्दुः नास्ति। न्यूयोर्कनगरे आरएसएसप्रमुखस्य मोहनभागवतस्य एतत् वक्तव्यं भारतस्य बहुधार्मिकसमाजस्य अन्तः सहजीवनस्य समानतायाः च आवश्यकतां प्रकाशयति। सः स्वसम्बोधने यत् एकता, मानवता च उक्तवान्, तत् वस्तुतः अद्यत्वे समग्रस्य जगतः आवश्यकता अस्ति। राष्ट्रस्य बलम्: तस्य कथनस्य एकः प्रमुखः अभिप्रायः अस्ति यत् बहुमतस्य अर्थः अन्येषां अस्तित्वं नकारयितुं न भवति, न च संख्यात्मकबलस्य आधारेण अधिकाराः न्यूनाः भवन्ति वा विस्तारं कुर्वन्ति वा। देशे सवेर्षां समानं स्थानं वर्तते, संविधानेन च सवेर्षां समानाधिकारः प्रदत्तः अस्ति। विविधता भारतस्य महत्तमं लक्षणं जातम्; धर्मभाषाजातिपरम्पराभेदाः न दुर्बलतारूपेण, अपितु देशस्य महत्तमबलत्वेन उद्भूताः। भारतस्य कृते विविधतायां एकता केवलं नारा एव न अपितु जीवितः अनुभवः एव। एतत् अवश्यं रक्षितव्यं, सः एव सन्देशः भागवतः प्रसारितः।

वन्दे मातरमस्य सवेर्षां षट् छन्दानां अनिवार्यगायनं चुनौतीं दत्तस्य याचनायां

सर्वोच्चन्यायालयः केन्द्रस्य प्रतिक्रियां याचते

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली



वन्देमातरम् इत्यस्य सवेर्षां षट् छन्दानां सर्वकारीय-आधिकारिक-कार्यक्रमेषु अनिवार्य-गायन-सम्बद्धः विषयः-तत् सम्बद्धानां २०२६ तमस्य वर्षस्य कानूनी-प्रावधानानाम् संवैधानिक-वैधता च-अधुना सर्वोच्चन्यायालये प्राप्तः। मंगलवासरे सर्वोच्चन्यायालयेन कर्नाटिकसङ्गीतकारेन टी.एम. कृष्ण। मुख्यन्यायाधीशः सूर्यकान्तः, न्यायाधीशः जोयमल्या बागची, न्यायाधीशः वी. मोहना च समाविष्टा पीठिका स्पष्टीकृतवती यत् राष्ट्रगीतं किं भवेत्, कियन्तः छन्दाः भवेयुः इति निर्णयं कर्तुं न उपविष्टम्। न्यायालयस्य परीक्षा मुख्यतया अस्मिन् विषये केन्द्रीभूता भविष्यति यत् यः व्यक्तिः विवेकस्य वा धर्मस्य आधारेण वन्दे मातरम् गायितुं नकारयति सः संवैधानिकसंरक्षणस्य हकदारः अस्ति वा इति।

विवादस्य हृदये षट्पदानां सवेर्षां गायनम् कृष्णः स्वस्य याचिकायां गृहमन्त्रालयस्य २८ जनवरी ९ जुलै २०२६ दिनाङ्कस्य निदेर्शान्, तथैव राष्ट्रियसम्मानस्य अपमाननिवारणकानूनस्य २०२६ तमे वर्षे संशोधनस्य, १९७१ तमे वर्षे च चुनौतीं दत्तवान् अस्ति।याचिकायां दावान् कृतः यत् एतेषु निदेर्शेषु वन्देमातरम् इत्यस्य षट् अपि छन्दानां आधिकारिकं गायनं अनिवार्यम् अस्ति।

याचिकायां विशेषतया अन्तिमचतुर्णां छन्दानां विषये आक्षेपाः उत्पद्यन्ते। याचिकाकतार्यां: मते एतेषु छन्देषु दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती इत्यादीनां देवानां धार्मिकसन्दर्भाः सन्ति। सः तर्कयति यत् एतान् छन्दान् गायितुं व्यक्तिं बाध्यं कृत्वा अन्तःकरणस्य धर्मस्य च स्वतन्त्रतायाः, संवैधानिकाधिकारस्य विषये प्रश्नाः उत्पद्यन्ते।

राष्ट्रगीतस्य परिभाषायाः विषये न्यायालयेन किं उक्तम् सुनवायीकाले पीठिका मौखिकरूपेण सूचितवती यत् राष्ट्रगीतस्य परिचयः अथवा आधिकारिकरूपं निर्धारयितुं न्यायालयस्य विचारस्य प्राथमिकविषयः नास्ति। न्यायालयस्य अभिप्रायः अस्ति यत् एतत् परीक्षितुं शक्नोति यत् राष्ट्रगीतस्य गायनस्य विषये मानदण्डानां उल्लङ्घनस्य कारणेन कश्चन व्यक्तिः आपराधिकपरिणामानां सामना कर्तुं शक्नोति वा, विशेषतः यदा अस्वीकारः अन्तःकरणस्य धार्मिकविश्वासस्य वा आधारेण भवति। अस्मिन् सन्दर्भे पीठिका बिजो इमैनुएल विरुद्ध केरलराज्य प्रकरणे सर्वोच्चन्यायालयस्य पूर्वनिर्णयस्य उल्लेखं कृतवती। तस्मिन् १९८६ तमे वर्षे निर्णये न्यायालयेन तेषां विद्यालयस्य छात्राणां कृते राहतं दत्तम् ये धार्मिकाभिप्रायाणां कारणेन राष्ट्रगीतं न गायन्ति स्म, यद्यपि ते तस्य विषये स्थितवन्तः आसन् मंगलवासरे सुनवायीयां न्यायालयेन अस्यैव संवैधानिकसिद्धान्तस्य प्रासंगिकतां प्रकाशितवती। २०२६ तमे वर्षे संशोधनेन सह किं परिवर्तनं जातम् २०२६ तमे वर्षे संसदः राष्ट्रियसम्मानस्य अपमाननिवारणकानूनम् (संशोधनम्) पारितवती। अनेन १९७१ तमे वर्षे कृतस्य अधिनियमस्य धारा ३ व्याप्तेः विस्तारः जातः यत् राष्ट्रगीतं वन्दे मातरम् इति समावेशितम्। संशोधितप्रावधानस्य अन्तर्गतं राष्ट्रगीतस्य राष्ट्रगीतस्य वा गायनं इच्छया निवारयितुं, यत्र ते गाय्यन्ते तत्र समागमे उपद्रवं जनयितुं वा वर्षत्रयं यावत् कारावासः, दण्डः, उभयम् वा दण्डनीयः राष्ट्रपतिस्य सहमतिः प्राप्य एतत् संशोधनं कानूनम् अभवत्।

सरकारीविवरणानुसारं राष्ट्रगीतस्य (वन्दे मातरम्) राष्ट्रगीतस्य समकक्षं वैधानिकसंरक्षणं प्रदातुं उद्देश्यम् अस्ति। याचिकाकर्ता तर्कयति यत् यद्यपि राष्ट्रगीतस्य कानूनीसंरक्षणस्य विस्तारः एकं वस्तु अस्ति तथापि गृहमन्त्रालयस्य निदेर्शाः-षट्-पद्यानां गायनम् आज्ञापयन्तः-सम्बद्धाः दण्ड-प्रावधानैः सह सङ्गमेन दृश्यन्ते चेत् एकः विशिष्टः संवैधानिकः प्रश्नः उत्पद्यते।

मूलाधिकारसम्बद्धाः विषयाः अपि उत्थापिताः कृष्णस्य याचिकायां संविधानस्य अनुच्छेदः १४, १५, १९(१)(क), २१, २५(१) च उद्धृताः सन्ति । मूलतर्कः अस्ति यत् धार्मिकार्थयुक्तस्य गीतस्य विशिष्टसंस्करणं गायितुं व्यक्तिं बाध्यं कुर्वन् तेषां अभिव्यक्तिस्वातन्त्र्यस्य, अन्तःकरणस्य, धर्मस्य च अधिकारस्य विचारः अत्यावश्यकः।

एकस्य एव अधिकारीणः

पुनः गृहीतुं कोऽपि अधिकारः नास्ति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

अवश्यमेव परीक्षितव्यं यत् प्रारम्भे गृहीतस्य आधारं न दत्तस्य वास्तविकं वैधं च कारणं आसीत् वा इति। तदतिरिक्तं मजिस्ट्रेट् इत्यनेन सत्यापितव्यं यत् तदनन्तरं अभियुक्ताय गृहीतस्य आधाराः प्रदत्ताः सन्ति वा इति तथा च निर्धारयितव्यं यत् अग्रे अन्वेषणार्थं पुनः गिरफ्तारी यथार्थतया आवश्यकी अस्ति वा इति। न्यायालयेन प्राकृतिकन्यायस्य सिद्धान्तानां पालनेन, एतादृशेषु अनुप्रयोगेषु शीघ्रनिर्णयस्य आवश्यकतायाः उपरि बलं दत्तम्। निर्णये पूर्वं मिहिर राजेशशाह प्रकरणे निर्गतनिदेर्शानां अपि सन्दर्भः अस्ति। एकस्य एव अधिकारीणः पुनः गृहीतुं कोऽपि अधिकारः नास्ति पीठिका विशेषतया प्रकाशितवती यत् यः पुलिस-अधिकारिणः गिरफ्तारी-सम्बद्धं संवैधानिक-अधिकारं न पालयितुम् अशक्नोत्, तस्मै अभियुक्तानां पुनः गृहीतुं स्वतन्त्र-शक्तिः न दातव्या। न्यायालयेन अस्मिन् विषये उत्तरदायित्वं, संवैधानिकप्रक्रियाणां रक्षणं च प्राथमिकताम् अददात्। गिरफ्तारीकारणानां संप्रेषणे त्रुटिः स्यात् चेत् तदनन्तरं कार्यवाहीषु वरिष्ठाधिकारिणः संलग्नतां आज्ञापितवान्। जाँचः अन्यस्य पुलिस-अधिकारिणः हस्ते समर्पितः भविष्यति सर्वोच्चन्यायालयेन प्रशासनिकप्रक्रिया अपि निर्धारिता। यदि मुक्तव्यक्तिस्य पुनः निरोधार्थं अनुरोधः क्रियते तर्हि।

राशिफल

मेष : नौकरी में किसी अधिकारी से जरूरी बातचीत हो सकती है। कारोबार में पुराने संपर्क से फायदा मिलने की उम्मीद है।

वृषभ : कारोबार में पुराने ग्राहक दोबारा संपर्क कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन पैसा बचाने पर ध्यान देना जरूरी होगा।

मिथुन : कारोबार में नए लोगों से संपर्क बन सकता है। कोई नया सौदा शुरू होने की संभावना है। पैसों के मामले में स्थिति सामान्य रहेगी।

कर्क : जरूरी काम पहले निपटाना बेहतर रहेगा। कारोबार में कोई फैसला लेने से पहले पूरी जानकारी जुटा लें।

सिंह : कारोबार में नई डील को लेकर बातचीत आगे बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होने के संकेत हैं।

कन्या : जल्दबाजी में की गई गलती से काम बढ़ सकता है। कारोबार में लेनदेन को लेकर सावधानी रखें।

तुला : अधिकारियों के साथ संबंध बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। कारोबार में साझेदारी से जुड़ा कोई प्रस्ताव सामने आ सकता है।

वृश्चिक : मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी। कारोबार में बड़ा सौदा करने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह जांच लें।

धनु : काम बदलने या नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को कोई उपयोगी जानकारी मिल सकती है।

मकर : अधिकारियों से बातचीत करते समय अपनी बात शांत तरीके से रखें। कारोबार में पुराने ग्राहक से फायदा मिल सकता है।

कुंभ : किसी अधिकारी से जरूरी बातचीत भी हो सकती है। कारोबार करने वालों को रुका हुआ पैसा मिलने की उम्मीद है।

मीन : कारोबार में नया फैसला लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

卐 卐 卐 **ज्योतिष/वास्तु** 卐 卐 卐

बुद्धि और व्यापार के दाता बुध का तुला राशि गोचर, मकर, कुंभ और मीन वालों के जीवन पर होगा प्रभाव

बुध के तुला राशि में गोचर करने से मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर किस तरह का प्रभाव पड़ेगा।

26 सितंबर को बुद्धि ,वाणी और संचार के कारक ग्रह बुध तुला राशि में प्रवेश कर चुके हैं। बुध का तुला राशि में गोचर करना ज्योतिषीय लिहाज से आने वाले दिनों में कई राशि वालों के जीवन में तरक्की, आर्थिक लाभ और खुशहाली के संकेत हैं। आइए जानते हैं बुध के तुला राशि में गोचर करने से मकर, कुंभ और मीन राशि वालों पर किस तरह का असर देखने को मिलेगा।

मकर राशि- मकर राशि वालों के लिए बुध का गोचर आने वाले दिनों के लिहाज से बहुत ही अच्छा और शुभ साबित हो सकता है। मकर राशि वालों के लिए बुध के गोचर करने से यह आपके दशम भाव यानी कर्म भाव में होगा, जिससे आपको कोई नया मुकाम हासिल हो सकता है। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको कोई अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती है। कार्यस्थल पर आपको अपने उच्च और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा, जिससे करियर में कोई ऊंचा और नया मुकाम हासिल होगा। धन प्राप्त के अवसरों में वृद्धि होगी।



कुंभ राशि - कुंभ राशि के जातकों के लिए बुध का तुला राशि में परिवर्तन आपके लिए किसी तरह के वरदान से कम नहीं है। इस दौरान कुंभ राशि वालों को कोई बड़ी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। नौकरी में नई तरह की जिम्मेदारी और प्रोजेक्ट से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आय के नए-नए रास्ते आपके सामने खुलेंगे। कारोबार में नई रणनीतियां आपके बहुत ज्यादा काम आएंगी। आपको इस दौरान अपने नेटवर्क को बढ़ाने का अवसर मिलेगा। नौकरी में प्रमोशन और नई तरह की जिम्मेदारी मिल सकती है।

मीन राशि- मीन राशि वालों के लिए बुध का तुला राशि में गोचर मिलाजुले परिणाम दिलाने वाला होगा। इस गोचर से आपको करियर में एक नई दिशा मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी रणनीति और संवाद कला का भरपूर लाभ मिलेगा। जो लोग नौकरी में बदलाव लाने के बारे में सोच रहे हैं उनको कुछ नए तरह के अवसर मिल सकते हैं। कारोबार में आने वाले दिनों में बेहतर लाभ के मौके मिलेंगे। आर्थिक मामलों में आपको कई तरह के अवसर मिलेंगे जिससे आपकी रोजगार करने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण पड़ाव आ सकता है।

सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, भारत में 42वां शतक लगाया

कोहली ने पहली बार एक इनिंग में 9 सिक्स लगाए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तिरुवनंतपुरम



भारत ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में पहले वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 55वां शतक लगाया। उन्होंने नाबाद 139 रन की पारी खेली।

कोहली ने पहली बार किसी वनडे में इनिंग में 9 सिक्स लगाए। वे वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने एक देश में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी की। दोनों ने भारत में 42-42 शतक लगाए हैं।

कोहली 15 हजार वनडे रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी- कोहली ने वनडे में 303 पारियों में अपने 15 हजार रन पूरे कर लिए। वे सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कोहली लिस्ट-ए में तेंदुलकर के 60 शतकों के बराबर पहुंचे- कोहली ने रविवार को लिस्ट-ए क्रिकेट में अपना 60वां शतक पूरा किया। वे 338 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने तेंदुलकर के लिस्ट-ए में सबसे ज्यादा शतकों की बराबरी भी कर ली। सचिन ने 538 पारियों में 60 शतक बनाए थे। लिस्ट-अ सीमित ओवरों वाला क्रिकेट फॉर्मेट है। इसमें अंतरराष्ट्रीय वनडे और घरेलू स्तर पर खेले जाने वाले आधिकारिक एक-दिवसीय मुकाबले शामिल होते हैं।

कोहली एक देश में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी- भारत में कोहली का यह 42वां इंटरनेशनल शतक था। अब वे एक देश में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में तेंदुलकर के साथ टॉप पर हैं। दोनों ने भारत में 42-42 शतक लगाए हैं।

112वीं बार रनचेज में जीत का हिस्सा रहे कोहली- वनडे रनचेज में कोहली 112वीं बार टीम की जीत में शामिल रहे। वे वनडे में सबसे ज्यादा बार रनचेज में शामिल खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर हैं। तेंदुलकर 127 जीत के साथ पहले, धोनी 116 जीत के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

कोहली ने एक वनडे मैच में पहली बार 9 छक्के लगाए- कोहली ने तिरुवनंतपुरम में 9 छक्के लगाए। यह वनडे की एक पारी में उनका सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है। इससे पहले उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 2023 में 8 छक्के लगाए थे।

विराट ने अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी की- कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 10वां वनडे शतक लगाया। वे एक देश के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। वे श्रीलंका के खिलाफ भी 10 शतक लगा चुके हैं। अब उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

ग्रीव्स ने 32 साल की उम्र में पहला वनडे शतक लगाया- वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स ने तिरुवनंतपुरम में 101 रन की पारी खेली। उन्होंने 32 साल 213 दिन की उम्र में अपना पहला वनडे शतक लगा दिया। वे वेस्टइंडीज के लिए पहला वनडे शतक लगाने वाले तीसरे सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बन गए।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 223 रन से हराया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ द ओवल

इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में श्रीलंका को 223 रन से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की लगातार 5वीं वनडे सीरीज जीत है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 355/7 बनाए। बैंटन ने 95 गेंदों पर पहला वनडे शतक पूरा किया और 126 रन की पारी खेली। हैरी ब्रूक ने 77 और जॉर्डन कॉक्स ने 76 रन बनाए। श्रीलंका की पूरी टीम 29.1 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। लियाम डॉसन ने 3 और गस एटकिंसन ने 2 विकेट लिए। इंग्लैंड को दूसरे ओवर में ही झटका लगा। बेन डकेट 5 गेंद में बिना खाता खोले दिलशान मदुशंका की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बैंटन और जो रूट ने पारी संभाली। दोनों ने टीम को 10 ओवर में 50/1 तक पहुंचाया। रूट 37 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बैंटन ने ब्रूक के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। बैंटन ने लगातार दूसरा 50+ स्कोर बनाया और 33वें ओवर में 95 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। बैंटन और ब्रूक के बीच तीसरे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी हुई। ब्रूक ने 49 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 77 रन बनाए। बैंटन 38वें ओवर में 126 रन बनाकर आउट हुए। 40 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर 251/4 था। इसके बाद जॉर्डन कॉक्स ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने 42 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 76 रन की पारी खेली। विल जैक्स और जेमी ओवरटन ने भी तेज रन जोड़े। इंग्लैंड ने आखिरी 10 ओवर में 104 रन बनाए, जिसमें अंतिम 5 ओवर में 57 रन आए।

बारिश में धुल सकता है आज का भारत-अफगानिस्तान मुकाबला

रद्द होने पर इंडिया एशियन गेम्स का सेमीफाइनल खेलेगी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ निशिन

एशियन गेम्स में आज भारत और अफगानिस्तान के बीच मेंस क्रिकेट का क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाएगा। मुकाबला निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में होगा। हालांकि मैच के दौरान भारी बारिश की संभावना है।

इसी मैदान पर पहले के दो मैच भी बारिश से धुल चुके हैं। अगर यह मुकाबला भी रद्द होता है तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। इस बीच सबसे बड़ा सवाल वैभव सूर्यवंशी के खेलने को लेकर है। हालांकि अफगानिस्तान सीरीज में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इसके बाद शायद ही ओपनिंग कॉम्बिनेशन में कोई बदलाव हो।

2023 एशियन गेम्स के फाइनल में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत हुई थी। पहले बैटिंग करते हुए अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 112 रन बनाए थे। तभी बारिश आ गई और आगे का खेल नहीं हो सका था। तब भारत को बेहतर टी-20 रैंकिंग के आधार गोल्ड मेडल दिया गया था।

भारत से कभी नहीं जीता अफगानिस्तान- अफगानिस्तान की टीम भारत को टी-20 में कभी नहीं हरा पाई है। दोनों के बीच अब तक 12 मुकाबले हुए हैं। इनमें भारत ने 11 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। हाल में भारत में हुई बाइलेटरल टी-20 सीरीज में भी अफगानिस्तान को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।



ईशान और अभिषेक भारत के टॉप टी-20 बल्लेबाज- ईशान किशन ने इस साल भारत के लिए सबसे ज्यादा 905 रन बनाए हैं। उन्होंने 27 मैच में 171.07 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। उनका बेस्ट स्कोर 103 रन है। वे इस समय टी-20 रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। दूसरे नंबर पर भारत के ही अभिषेक शर्मा हैं। उन्होंने इस साल खेले 27 मैच में 743 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 204.68 रहा है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह इस साल भारत के टॉप विकेट टेकर रहे हैं। उन्होंने 22 मैच में 30 विकेट लिए हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी अटैक की अगुवाई करेंगे। अफगानिस्तान ने राशिद खान, मोहम्मद नबी, इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह उमरजई जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को एशियन गेम्स स्क्वॉड में जगह नहीं दी है।

खबर एक नजर...

रिश्तेदार के यहां गए व्यक्ति के सूने मकान चोरी

उज्जैन। नरवर में रहने वाला एक परिवार रिश्तेदार के यहां गया था। इसी दौरान उसके सुने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया और गहने नहीं मिले तो बदमाश अलमारी में रखी छुटपुट नगदी लेकर फरार हो गए। पुलिस को कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मिले है। जिसमें तीन बदमाश मुंह पर कपड़ा बांधकर घर में अंदर घुसते हुए दिखाई दे रहे हैं। नरवर पुलिस के अनुसार नरवर में बैंक ऑफ इंडिया के पास रहने वाला इरशाद कुरैशी अपने परिवार के सदस्यों के साथ रिश्तेदार के यहां गया था इस दौरान उसके सुने मकान में शनिवार रविवार की दरमियानी रात चोरों ने धावा बोल दिया। और घर में रखी अलमारी में जेवर व नगदी टटोलने लगे लेकिन जब अलमारी में कुछ नहीं मिला तो चोर अलमारी में रखी छुटपुट नगदी लेकर भाग निकले। सुबह जब इरशाद वापस घर लोटा तो घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखी नगदी भी गायब थी चोरी की जानकारी लगने पर पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की तथा आसपास लगे सीसीटीवी कंगाले तो उसमें तीन बदमाश घर में प्रवेश करते हुए और चोरी को अंजाम देने के बाद घर से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस बदमाशों के हुलिए के अनुसार उनका पता लगाने की कोशिश कर रही है।

इंटरसिटी के एसी कोच में युवती से छेड़छाड़, वीडियो बनाकर की शिकायत

उज्जैन। भांडनेर, दतिया निवासी 25 वर्षीय युवती 25 सितंबर को रतलाम-भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस के एसी कोच बी-2 से इंदौर से ग्वालियर जा रही थी। देवास-उज्जैन के बीच राघवेंद्र नाम का एक यात्री उसके सामने आकर बैठ गया। युवती का आरोप है कि यात्री ने उसके साथ अश्लील इशारे किए। युवती ने घटना का मोबाइल से वीडियो बना लिया और बाद में जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कचरे में लगी आग से शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भरा धुआं

उज्जैन। नई सड़क स्थित श्री शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में रविवार सुबह करीब 6.15 बजे खाली दुकान के पीछे पड़े सूखे कचरे में आग लग गई। आग लगने की वजह से कॉम्प्लेक्स के अंदर धुआं भर गया। मॉर्निंग वॉक के लिए क्षीरसागर की ओर जा रहे भाजपा नेता आजम शेख ने कॉम्प्लेक्स से धुआं उठता देखा और इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दमकलें मौके पर पहुंची और करीब 15-20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। फायर ब्रिगेड के लक्ष्मण प्रसाद साहू के अनुसार आग से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। कॉम्प्लेक्स के पीछे का हिस्सा खाली पड़ा रहता है। यहां लोगों के बीड़ी-सिगरेट पीने की बात सामने आई है। ऐसे में जलती हुई बीड़ी से सूखे कचरे में आग लगने की आशंका जताई गई है। बताया गया है कि पिछले एक साल में इस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आग लगने की यह तीसरी घटना है। काम्प्लेक्स में इलेक्ट्रिक उपकरणों की दुकानें है ऐसे में अगर जरा भी लापरवाही बरती गई तो किसी भी दिन कॉम्प्लेक्स की दुकानें आग की चपेट में आ सकती है।

स्वच्छता के लिए त्रिशूल शिवगण वाहिनी पहुंची सिद्धनाथ घाट!!



उज्जैन। अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाएं और निर्माल्य सामग्री नदी में प्रवाहित करने के कारण दूषित हुई शिप्रा नदी की सफाई का कार्य दूसरे दिन भी त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा किया गया। शिप्रा को निर्मल करने के कार्य में महंतश्री नीलेश्वर पुरी महाराज जूना अखाड़ा, सिद्धनाथ घाट तीर्थ पुरोहित महासंघ भी अभियान में सम्मिलित हुए। सुरेंद्र चतुर्वेदी संस्थापक व अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि शिप्रा नदी को निर्मल करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मंगलनाथ घाट पर शिप्रा सफाई के उपरांत आज सिद्धनाथ घाट पर सफाई का कार्य किया गया इसी क्रम में 29 सितंबर को गयाकोटा तीर्थ स्थल के कुंड की सफाई का कार्य भी किया जाएगा। संस्थापक त्रिशूलपाणी आदित्य नागर ने बताया कि नदी में निर्माल्य सामग्री लगातार प्रवाहित की जाती है, लेकिन उन्हें कई समय तक साफ न करने के कारण जल संरचनाओं में गंदगी हो जाती हैं जिससे उनका पानी अशुद्ध हो रहा है। संस्था द्वारा सांकेतिक रूप से अभियान चलाकर जन जागरण के माध्यम से शहर वासियों को इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। इस अवसर पर सिद्धनाथ तीर्थ पुरोहित पुजारी महासभा के सर्वश्रेष्ठ सुधीर चतुर्वेदी, द्वारकाधीश शास्त्री, बालकृष्ण पुजारी, दिनेश चतुर्वेदी, सदाशिव शर्मा, प्रकाश व्यास, रमेश रघुवंशी, शैलेश दुबे, मनोज शर्मा, हेमंत शास्त्री, सुधीर पंडया, रमेश पंडया, ज्वलंत चतुर्वेदी, महंत लालू भारती, शिवनारायण शर्मा, जेथल के मांगू सिंह, विराट शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

9 5 0

7 उड़ीसा वासियों की मौत के हादसे से उद्वेलित मां बगलामुखी भक्त मंडल आंदोलन पर अडिग

नलखेड़ा बंद रहा, मंदिर में हवन कार्य भी बंद रहा





मंडल मांगों पर अडिग, आज फिर से बंद का आह्वान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में मां बगलामुखी मंदिर मार्ग पर हुए हृदय विदारक हादसे में आठ भक्तों की मौत की घटना के बाद मां बगलामुखी भक्त मंडल द्वारा इस घटना के लिए जिम्मेदारों पर कोई कार्यवाही न होने पर जहां घटनास्थल के समीप पांचवें दिन भी धरना प्रदर्शन किया गया। इसी के साथ रविवार को अनिश्चितकालीन नगर बंद रहा। इस दौरान शहर के सभी प्रतिष्ठान बंद रहे एवं मंदिर में पूजन हवन कार्य भी बंद रहा है। भक्त मंडल ने देर शाम एक साथ निकलकर शहर में सोमवार को भी बंद का आव्हान कर दिया है।

मां बगलामुखी भक्त मंडल ने घटना स्थल एवं अंबेडकर चौक के बीच में धरने की शुरूआत की थी। प्रतिदिन धरना जारी है। ऐसे में शनिवार को आह्वान किया गया कि रविवार को नगर बंद रहेगा। नागरिकों को फल फ्रूट एवं सब्जी भी मुहैया नहीं हुई। शहर के व्यापारियों ने भी घटना पर अपना आक्रोश जताते हुए बंद का समर्थन करते हुए अपने-अपने व्यवसाय स्वेच्छा से बंद किये। होटल व्यवसायियों द्वारा भी बंद रखे जाने से नागरिक चाय के लिए इधर-उधर भटकते देखे गए। माँ बगलामुखी मंदिर पर हवन पूजन के कार्य भी बंद रहे।

मां बगलामुखी भक्त मंडल द्वारा चलाये जा रहे चरणबद्ध आंदोलन को लेकर जिला कलेक्टर तथा जिला पुलिस अधीक्षक रविवार को नलखेड़ा पहुंचे। जहां उनके द्वारा प्रतिनिधि मंडल से चर्चा की गई। लेकिन चर्चा पर सहमति नहीं बन पाई। जिससे धरना प्रदर्शन भी जारी रहा एवं बंद भी नहीं खुला। धरना प्रदर्शन के बाद भी भक्त मंडल द्वारा की जा रही मांगों के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं किए जाने के बाद चरणबद्ध आंदोलन के तहत रविवार से अनिश्चितकालीन नगर बंद रखे जाने का आह्वान किया गया है।

18-19 सितंबर को हुई थी 8 की मौत- 18 सितंबर को उड़ीसा के भुवनेश्वर से 7 दर्शनार्थी किराए का वाहन एवं चालक लेकर माता रानी के दरबार मे पहुंचे थे जोकि हवन अनुष्ठान के बाद देर रात वापस लौट रहे थे कि मंदिर के समीप स्थित नाले की पुलिया पर तेज बहाव का पानी होने से उनकी कार बह गई थी जिसमे कार ड्राइवर सहित 8 भक्तों की मौत हो गई थी। इस दर्दनाक और हदयविदारक घटना के एक सप्ताह बाद भी प्रशासन द्वारा घटना को लेकर किसी की भी जवाबदेही तय नही की है और ना ही किसी दोषी अधिकारी पर कार्यवाही की है। जिसको लेकर भक्तों में आक्रोश व्याप्त है।

पंडितों ने मंदिर की यज्ञ शाला में हवन नहीं किए

बंद में अति आवश्यक सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया था। बावजूद इसके मेडिकल व्यवसायियों द्वारा सांकेतिक रूप से दो घंटे अपने प्रतिष्ठान बंद रख बंद को समर्थन दिया। बंद को समर्थन प्रदान करते हुए बगलामुखी मंदिर के समस्त पंडित एवं आचार्य द्वारा भी हवन पूजन कार्य बंद रखा गया। जिसके चलते जहां हवन शालाओं में प्रतिदिन लगभग 1000 से अधिक हवन होते थे एवं हवन शाला परिसर में मंत्रों की गूंज सुनाई देती थी वहां रविवार को सन्नाटा पसरा रहा।

बुधवार से धरना जारी

भक्त मंडल बुधवार से अपनी 11 प्रमुख मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहा है। इन मांगों में 19 सितंबर की घटना के लिए जिम्मेदारी तय कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग, मंदिर मार्ग पर बनी पुलिया की चौड़ाई एवं ऊंचाई तत्काल बढ़ाने के साथ अन्य मांगे सम्मिलित है।

सोमवार को भी बंद का आव्हान- मां बगलामुखी भक्त मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टर व एसपी से चर्चा के बाद भी प्रशासन के द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसके विरोध में भक्त मंडल के आव्हान पर सोमवार को भी नलखेड़ा नगर बंद रखने की घोषणा की है। इसको लेकर भक्त मंडल द्वारा रविवार शाम को सामूहिक रूप से निकलकर नगरवासियों से बंद को रविवार की तरह पूर्ण समर्थन देने की अपील की गई।

8 मांगे मानी,पटवारी को हटाया-एसडीएम- भक्त मंडल के अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन एवं बंद को लेकर एसडीएम सुसनेर देवकुंवर सोलंकी ने बताया कि भक्त मंडल के साथ 8 मांगों पर हमारी चर्चा हुई है। तकरीबन सभी को मान लिया गया है। हादसे की घटना में जिम्मेदार पर कार्रवाई को लेकर हमारी जांच प्रचलित है। मंदिर में लगे पटवारी को वहां से हटा दिया गया है।

कलेक्टर-एसपी पहुंचे नलखेडा

इधर मां बगलामुखी भक्त मंडल द्वारा चलाए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन को लेकर रविवार को जिला कलेक्टर डा. शेर सिंह मीना एवं जिला पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी सहित अनुविभागीय अधिकारी देवकुंवर सोलंकी, एसडीओपी देवनारायण यादव भक्त मंडल के सदस्यों से चर्चा के लिए माता मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने एक प्रतिनिधिमंडल से उनकी मांगों को लेकर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान जिला कलेक्टर ने मां बगलामुखी की इस घटना के लिए न्यायिक जांच करवाने तथा एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्यवाही की बात कही गई। इसी के साथ अन्य बातें भी रखी। वहीं प्रतिनिधि मंडल द्वारा भी इस घटना को लेकर अन्य बिंदुओं को रखा गया। लेकिन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के बीच चर्चा पर सहमति नहीं बनने से जहां धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहा वहीं नगर बंद भी नहीं खुल पाया।

निजी सुरक्षा कंपनी के गार्डों को प्रशिक्षण दिलवाने के बाद मुस्तैद रहने की हिदायत

महाकाल की सुरक्षा को लेकर समिति हाई अलर्ट

-मंदिर प्रबंध समिति प्रशासक सुरक्षा एवं व्यवस्था निर्देश देने मैदान में उतरे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्री महाकाल मंदिर की सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर मंदिर प्रबंध समिति हाई अलर्ट पर देखी जा रही है। निजी सुरक्षा कंपनी के गार्डों को विश्व विद्यालय से प्रशिक्षण दिलवाने के साथ ही मंदिर समिति ने उन्हें मुस्तैद रहने की हिदायत दी है। मंदिर प्रबंध समिति प्रशासक ने गार्डों को सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर हिदायत दी है।

शनिवार से श्री महाकाल मंदिर की व्यवस्था मंदिर प्रबंध समिति की और से हाई अलर्ट पर ली गई है। इसके लिए अबकी बार मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक ही सुरक्षा गार्डों से सीधी बात कर रहे हैं और उन्हें निर्देश दे रहे हैं। मंदिर प्रबंध समिति के पास वर्तमान में निजी सुरक्षा कंपनी के करीब 800 सुरक्षा गार्ड हैं। इसके साथ ही अल्प समय में यहां करीब 400 से अधिक होमगार्ड की तैनाती का प्लान भी लागू होने की जानकारी सामने आ रही है। मंदिर क्षेत्र एवं महाकाल महालोक में 500 हाईटेक सीसी टीवी और कृत्रिम बुद्धिमता आधारित त्रिनेत्र सिस्टम से फेस



रिकग्निशन, वाहन नंबर ट्रैकिंग और भीड़ का एनालिसिस हो रहा है। मंदिर में फर्जी वीआईपी पास जैसे मामलों के बाद सुरक्षा जांच और सख्त की गई है

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने शनिवार को दो समय मंदिर परिसर एवं दर्शन मार्ग पर कार्यरत सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धालुओं को सुगम एवं व्यवस्थित दर्शन कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति अथवा अप्रत्याशित परिस्थिति में तत्काल मंदिर कंट्रोल रूम से समन्वय स्थापित कर समस्या का समाधान किया जाए। सुरक्षाकर्मी अपने दायित्वों का सजगता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें तथा किसी भी स्थिति में दर्शन व्यवस्था बाधित न होने दें। रात्रिकालीन शिफ्ट के सुरक्षाकर्मी सतर्क रहे, श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराएं। उन्होंने सभी सुरक्षाकर्मियों को निर्देशित किया कि वे ड्यूटी के दौरान सतर्क एवं सजग रहें, आपसी समन्वय बनाए रखें तथा मंदिर कंट्रोल रूम के सतत संपर्क में रहें। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल समन्वय करते हुए स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए तत्पर रहें।

5 बेच प्रशिक्षित

श्री महाकालेश्वर मंदिर के 800 सुरक्षाकर्मियों को अवंतिका विश्व विद्यालय में व्यवहार एवं भीड़ प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण जारी है। 5 बेच से अधिक को प्रशिक्षित किया गया है। श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित एवं सकारात्मक दर्शन अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंदिर प्रबंध समिति द्वारा सुरक्षाकर्मियों के लिए विशेष व्यावहारिक प्रशिक्षण दिलवाया जा रहा है। विश्वविद्यालय के उपकुलपति नितिन राणा, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन डॉ. प्रोफेसर अजीत उपाध्याय के मार्गदर्शन में सुरक्षाकर्मियों को सॉफ्ट स्किल, श्रद्धालुओं से मधुर एवं सकारात्मक व्यवहार, भीड़ प्रबंधन, कतार प्रबंधन तथा दर्शन व्यवस्था के दौरान प्रभावी संवाद का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 22 सितंबर से जारी इसमें प्रतिदिन 100 सुरक्षाकर्मियों को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महाकाल लोक के नाम से खुला नया पुलिस थाना

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महाकाल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महाकाल लोक के नाम से नया पुलिस थाना शुरू किया गया है। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अन्नक्षेत्र और महाकाल लोक पार्किंग के पास बने इस नये महाकाल लोक थाने का शुभारंभ किया। इसके साथ ही महाकाल मंदिर और महाकाल लोक क्षेत्र की पुलिसिंग के लिए अलग थाना उपलब्ध हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा नेताओं, एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा की मौजूदगी में फीता काटकर थाने का शुभारंभ किया। नए महाकाल लोक थाने के पहले थाना प्रभारी की जिम्मेदारी आरके सक्तावत को दी गई है।

महाकाल लोक थाने में शुरूआत में 2 एएसआई, 4 प्रधान आरक्षक सहित कुल 30 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि थाने में कुल 75 पुलिसकर्मियों का बल तैनात किया जाएगा। इसमें 2 एसआई और 4 एएसआई भी शामिल होंगे। शेष बल की तैनाती की प्रक्रिया जारी है। महाकाल मंदिर और महाकाल लोक में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या, बड़े धार्मिक आयोजनों और वीआईपी आवागमन को देखते हुए अलग थाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। महाकाल लोक थाना बनने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, पार्किंग क्षेत्र से जुड़े मामलों और धार्मिक आयोजनों के दौरान पुलिस व्यवस्था में मदद मिलेगी। पुलिसकर्मी अब क्षेत्र के अधिक करीब रहकर सुरक्षा व्यवस्था संभाल सकेंगे। महाकाल क्षेत्र में पहले से कार्यरत महाकाल थाना भी नए भवन में स्थानांतरित हो चुका है। महाकाल लोक थाना शुरू होने से पुराने थाने पर दर्शनार्थियों से जुड़ी शिकायतों, मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं का दबाव कम होने की उम्मीद है।

600 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का निकला फ्लैग मार्च



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रविवार को उज्जैन पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। महाकाल, कोतवाली, खाराकुआ और जीवाजीगंज थाना क्षेत्रों में हुए इस मार्च में 600 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए। जिला पुलिस बल के साथ फ्लअक्रऔर रळक्रके जवानों ने भी हिस्सा लिया।पुलिसकर्मियों ने प्रमुख मार्गों और संवेदनशील इलाकों में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी के जरिए पुलिस ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी सतर्कता का संदेश दिया।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने आम लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही लोगों से कानून हाथ में नहीं लेने का आग्रह किया गया। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। धार्मिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

शाही मस्जिद हटाने के विरोध में मुस्लिम समाज एकत्रित



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रही शाही मस्जिद को हटाने की तैयारी का मुस्लिम समाज ने विरोध शुरू कर दिया है। शनिवार रात से ही बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के अंदर और बाहर एकत्रित हुए और विरोध में नारेबाजी की। रविवार को भी लोगों का विरोध जारी रहा। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मस्जिद के सामने बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। मौके पर पुलिस बल के साथ आरएएफ की टुकड़ी भी तैनात की गई है। प्रशासन और पुलिस की ओर से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी की जा रही है। सड़क चौड़ीकरण की प्रस्तावित योजना के तहत शाही मस्जिद को हटाने की तैयारी की जा रही है। इसी को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों में नाराजगी है। विरोध के चलते मस्जिद परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई है।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com